www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 विकराल होता जलवायु परिवर्तन का संकट, बादल फटने से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा

ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर मस्क का मजाक उड़ाया 06

वर्ष :17 | अंक :97 | प्रयागराज , मंगलवार , 08 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में दो लोग गिरफ्तार, पांच करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त

दिल्ली के शास्त्री पार्क में एक व्यापारी और एक किराना दुकान के सहायक को हेरोइन की खेप पहुंचाने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दो आरोपियों- अनस खान (26) और सुधीर कुमार उर्फ ऋतिक (27) के पास से पांच करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की एक किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों व्यक्तियों को एक जुलाई को जीरो पुस्ता रोड पर जग प्रवेश चंद्र अस्पताल के पास उस समय रोका गया जब वे एक कार से हेरोइन की खेप पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि कुल हेरोइन में से खान के पास से 527 ग्राम और कुमार के पास से 526 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। अधिकारी ने कहा, पूछताछ के दौरान दोनों ने कबूल किया कि वे उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी अवनीश से हेरोइन खरीद रहे थे। अधिकारी ने बताया कि अपराध शाखा पुलिस थाने में स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से श्रमिक की मौत

विरुदुनगर के निकट एक गांव में रविवार को एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में एक श्रमिक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस सिलसिले में एक फैक्टरी के फोरमैन को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि संदेह है कि केलाथायिलपट्टी गांव में आतिशबाजी इकाई में हुआ विस्फोट विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान रसायनों के बीच घर्षण के कारण हुआ है। अधिकारी ने बताया कि करीब 50 वर्षीय एक श्रमिक की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मृतक के परिवार के प्रति अपनी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की तथा अधिकारियों को घायल श्रमिकों की विशेष देखभाल सुनिश्चित करने का आदेश दिया। आधिकारिक विज्ञप्ति में मुख्यमंत्री ने मृतक श्रमिक के परिवार को चार लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने गंभीर रूप से घायल श्रमिक को एक लाख रुपए तथा मामूली रूप से घायल अन्य को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। मृतक श्रमिक की पहचान शिवकाशी के थिरुथंगल निवासी एम. बालगुरुस्वामी के रूप में हुई है।

नीतीश-नायडू की टांगों पर चल रहे मोदी: मल्लिकार्जुन खड़गे

रायपुर में कहा- हर जगह गरीबों को लूट रहे, कांग्रेस कार्यकर्ता मर-मिटने को तैयार

जनसभा

खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार भय और झूठ फैलाकर देश पर राज कर रही है। ये लोग हर जगह मिलकर गरीबों को लूटने और डराने का काम कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस का कार्यकर्ता डरने वाला नहीं है, मर-मिटने को तैयार है।

एजेंसी

सीएम साय सिर्फ मोदी और शाह के इशारों पर उठते-बैठते हैं

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को लेकर खड़गे ने कहा कि साय सिर्फ मोदी और शाह के इशारों पर उठते-बैठते हैं, इसलिए उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया है। यह सिर्फ साय का नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ का अपमान है।

सचिन पायलट बोले- दो बैसाखी पर चल रही सरकार ज्यादा दिन नहीं टिकेगी

सभा में मौजूद कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि आज की सरकार दो बैसाखियों पर टिकी है। 2028 में फिर से वैसी ही लड़ाई लड़नी है जैसी 2018 में लड़ी थी। मैं आज की बारिश में भी यहां आए कार्यकर्ताओं को नमन करता हूं। यही कांग्रेस की असली ताकत है।

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सोमवार को कांग्रेस द्वारा किसान, जवान और संविधान जनसभा का आयोजन किया गया। इस रैली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत तमाम नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि नरेंद्र मोदी दो टांगों से चल रहे हैं। मोदी की एक टांग आंध्र की टीडीपी है और दूसरी बिहार के नीतीश कुमार। इनमें से कोई भी हिली तो मोदी जी गिर जाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा कि केंद्र सरकार भय और झूठ फैलाकर देश पर राज कर रही है।

ये लोग हर जगह मिलकर गरीबों को लूटने और डराने का काम कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस का कार्यकर्ता डरने वाला नहीं है, मर-मिटने को तैयार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में जो जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई गईं, उन्हें भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है।

खड़गे बोले- संविधान की मूल आत्मा से खिलवाड़ करा आरएसएस

खड़गे ने आरएसएस और भाजपा पर संविधान की मूल आत्मा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संघ के एक विचारक ने सोशलिज्म और सेक्युलरिज्म शब्दों को संविधान से हटाने की बात कही है। 1980 में आपने अपने ही संविधान में क्या लिखा था? अब इन्ही शब्दों को हटाने की कोशिश कर रहे हैं। ये शब्द हटाकर तो देखिए, पूरा देश आपके खिलाफ खड़ा हो जाएगा। खड़गे ने कहा कि एक दिन भाजपा खुद अपने कामों पर शर्मिंदा होगी। खड़गे ने आगे कहा कि जब भी हम सच्चाई बोलते हैं, तो देश में कुछ लोगों को मिर्ची लगती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 16 बार दावा किया कि उन्होंने युद्धविराम कराया, लेकिन मोदी ने एक बार भी उन्हें झूठा नहीं कहा।

67 नई शराब की दुकानें खोल दीं और नकली शराब बेचने का धंधा शुरू कर दिया। ये लोग सिर्फ कारोबार के नाम पर समाज को खोखला कर रहे हैं। खड़गे ने फरर और भाजपा पर संविधान की मूल आत्मा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संघ के एक विचारक ने सोशलिज्म और सेक्युलरिज्म शब्दों को संविधान से हटाने की बात कही है।

संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की तरह, इसे नहीं बदला जा सकता : उपराष्ट्रपति धनखड़

ऐतिहासिक रूप से किसी भी देश की प्रस्तावना में कभी बदलाव नहीं किया गया है

कोच्चि स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज (एनयूएएलएस) में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि ऐतिहासिक रूप से किसी भी देश की प्रस्तावना में कभी बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि आपातकाल के दौरान भारतीय संविधान की प्रस्तावना में बदलाव किया गया था।

एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की तरह है और इसे बदला नहीं जा सकता, चाहे कोई कितनी भी कोशिश कर ले। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल ही दो ऐसे संवैधानिक पद हैं जो उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों और न्यायाधीशों जैसे अन्य पदाधिकारियों से अलग शपथ लेते हैं। हम सभी - उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य - संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं, लेकिन माननीय राष्ट्रपति और माननीय राज्यपाल संविधान को संरक्षित, सुरक्षित और बचाव करने की शपथ लेते हैं। इस प्रकार, उनकी शपथ न केवल बहुत अलग है, बल्कि यह उन्हें संविधान को संरक्षित, सुरक्षित और बचाव करने के भारी कार्य के लिए बाध्य भी करती है। स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज (एनयूएएलएस) में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि ऐतिहासिक रूप से किसी भी देश की प्रस्तावना में कभी बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि आपातकाल के दौरान भारतीय संविधान की प्रस्तावना में बदलाव किया गया था। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना को लेकर कई मुद्दे रहे हैं। भारतीय संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की तरह है। आप चाहे जितनी भी कोशिश कर लें, आप अपने माता-पिता की भूमिका को नहीं बदल सकते। यह संभव नहीं है।

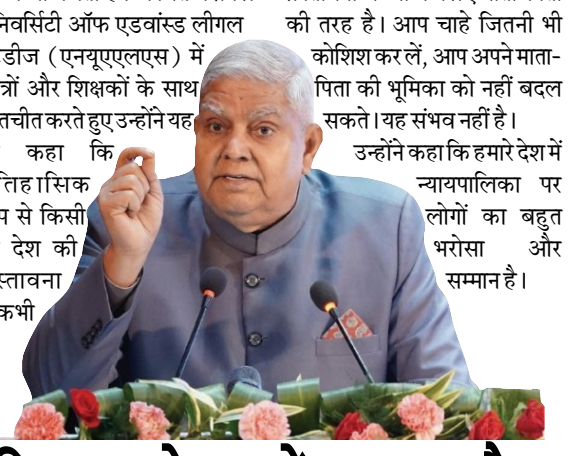

उन्होंने कहा कि हमारे देश में न्यायपालिका पर लोगों का बहुत भरोसा और सम्मान है।

निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में लिया गया...

तुर्किये की विमानन कंपनी सेलेबी की याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय ने की खारिज

न्यायालय ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के कदम का समर्थन करते हुए कहा कि यह निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में लिया गया है। मई के महीने में सेलेबी एविएशन सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने दिल्ली उच्च न्यायालय में दलील दी कि हम एक भारतीय कंपनी हैं।

एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को तुर्की की कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की याचिका खारिज कर दी, जिसमें सरकार द्वारा उसकी सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के फैसले को चुनौती दी गई थी। न्यायालय ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के कदम का समर्थन करते हुए कहा कि यह निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में लिया गया है। मई के महीने में सेलेबी एविएशन सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने दिल्ली उच्च न्यायालय में दलील दी कि हम एक भारतीय कंपनी हैं। हमारे कर्मचारी भारतीय हैं। कंपनी ने नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) द्वारा इस महीने की शुरूआत में राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में इसकी सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के फैसले को चुनौती दी है।

सेलेबी एविएशन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि कंपनी भारत में 17 वर्षों से बिना किसी दोष के काम कर रही है और सुरक्षा मंजूरी रद्द करने का कदम मनमाना और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है। हवाईअड्डा संचालकों के साथ मेरे अनुबंध रद्द किए जा रहे हैं। हालांकि, रोहतगी ने अपनी दलीलें कानूनी आधारों और सरकार के फैसले में प्रक्रियात्मक खामियों तक ही सीमित रखीं।

ब्रिटेन के साथ मिलकर इंदिरा गांधी ने किया था गोल्डन टेंपल पर अटैक

ऑपरेशन ब्लूस्टार को लेकर भाजपा सांसद का दावा

निशिकांत दुबे ने आगे लिखा कि पाकिस्तान को अंततः 1960 में करतारपुर साहिब दिया समझौता सरदार स्वर्ण सिंह जी ने किया। स्वर्ण मंदिर पर 1984 के आक्रमण और निर्दोष श्रद्धालुओं को मारने के समय राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह जी को बनाया।

एजेंसी

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया है कि स्वर्ण मंदिर में 1984 का विवादास्पद ऑपरेशन ब्लू स्टार ब्रिटिश सरकार के सहयोग से चलाया गया था। दुबे ने दावा किया कि ऑपरेशन के दौरान ब्रिटिश सैन्य अधिकारी अमृतसर में मौजूद थे, जिसमें स्वर्ण मंदिर परिसर के अंदर छिपे आतंकवादियों को निशाना बनाया गया था। दुबे ने एक्स पर लिखा कि 1984 में स्वर्ण मंदिर पर इंदिरा गांधी जी ने आक्रमण ब्रिटेन के साथ मिलकर किया, ब्रिटेन की सेना के अधिकारी उस वक़्त अमृतसर में मौजूद थे। कांग्रेस के लिए सिख समुदाय केवल खिलौना मात्र है।

निशिकांत दुबे ने आगे लिखा कि पाकिस्तान को अंततः 1960 में करतारपुर साहिब दिया समझौता सरदार स्वर्ण सिंह जी ने किया। स्वर्ण मंदिर पर 1984 के आक्रमण और निर्दोष श्रद्धालुओं को मारने के समय राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह जी को बनाया। 1984 के सिखों के कत्लेआम को छुपाने तथा वरिष्ठ नेताओं एच के एल भगत, जगदीश टाइटलर, सज्जन कुमार को बचाने के लिए 2004 में मनमोहन सिंह जी को कठपुतली प्रधानमंत्री बनाया। देश को बेचने और विदेशी के सामने सरेंडर की कहानी जारी है।

बाद में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे मे एएनआई से बातचीत में कहा कि ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने 1984 में गृह मंत्रालय को एक पत्र लिखा था- उसमें लिखा है कि भारत ने तकनीकी और भौतिक मदद मांगी और हमारे (ब्रिटिश) लोग वहां गए। कांग्रेस 6 महीने से स्वर्ण मंदिर पर हमले की योजना बना रही थी। जांच में पता चला कि ब्रिटिश सेना के नेतृत्व में भारतीय सेना ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। आपने भिंडरावाले को जन्म दिया और फिर ब्रिटिश सेना की मदद लेकर सिखों के सबसे बड़े धार्मिक स्थल पर हमला किया।

मानसून की भारी बारिश से जीवन अस्त-व्यस्त

झारखंड के 12 जिलों के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के बुलेटिन के अनुसार, जिन जिलों में बाढ़ का खतरा है, उनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, रांची, बोकारो, सरायकेला, पश्चिमी और पूर्वी सिंहभूम शामिल हैं।

एजेंसी

झारखंड में पिछले काफी समय से भारी बारिश हो रही है। लगातार पानी बरसने के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया है। इसके कारण झारखंड में बाढ़ के हालत बन रहे हैं। झारखंड के निचले इलाकों में पानी भरता जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने झारखंड के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। ईएमडी ने एक बुलेटिन में कहा कि गुमला, सिमडेगा, खूंटी और पश्चिमी सिंहभूम जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है, जहां रविवार (6 जुलाई, 2025) को सुबह 8.30 बजे से सोमवार (7 जुलाई, 2025) को सुबह 8.30 बजे के बीच मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। झारखंड के 12 जिलों में सोमवार को अचानक बाढ़ आने की चेतावनी जारी की गई है।

धीरेंद्र शास्त्री की हुंकार, मेरा है सपना भगवा-ए-हिंद, अगर भारत हिंदू राष्ट्र बनता है तो...

सनातन महाकुंभ में लोगों को संबोधित करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने लोगों से जाति-पाति से ऊपर उठकर एकजुट होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं हैं, चाहे वह इस्लाम हो या ईसाई धर्म, लेकिन उन्हें उन हिंदुओं से परेशानी है जो जाति के आधार पर लोगों को धर्म के भीतर बांटते हैं।

एजेंसी

बिहार में चुनाव से पहले सियासत तेज है। इसी कड़ी में रविवार को पटना में सनातन महाकुंभ का आयोजन किया गया। इस दौरान धर्मगुरु धीरेंद्र शास्त्री ने घोषणा की कि उनका एकमात्र सपना भगवा-ए-हिंद है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म पर किसी भी हमले का वे कड़ा जवाब देंगे। सनातन महाकुंभ में लोगों को संबोधित करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने लोगों से जाति-पाति से ऊपर उठकर एकजुट होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं हैं, चाहे वह इस्लाम हो या ईसाई धर्म, लेकिन उन्हें उन हिंदुओं से परेशानी है जो जाति के आधार पर लोगों को धर्म के भीतर बांटते हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि सभी हिंदू एक जैसे हैं और उन्हें एक-दूसरे से नहीं लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर एक पिता के चार बच्चे हैं, तो क्या उनमें से कोई भी अप्रिय होगा? सभी बच्चे प्यारे होंगे। हम सभी हिंदू हैं, हम सभी समान हैं, हमें आपस में नहीं लड़ना चाहिए। हम यहां राजनीति के लिए नहीं, बल्कि रामनीति के लिए हैं। राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के आरोपों को खारिज करते हुए शास्त्री ने स्पष्ट किया कि मैं बिहार में राजनीति करने नहीं आया हूं। मैं यहां 'रामनीति' के लिए आया हूं, राजनीति के लिए नहीं। मैं चाहता हूं कि लोग जाति से ऊपर उठकर राष्ट्रवादी बनें।

बिहार के पूर्णिया में परिवार के 5 लोगों की हत्या

डायन बताकर पीट-पीटकर मार डाला; घर से डेढ़ किलोमीटर दूर ले जाकर जलाई लाशें

बिहार के पूर्णिया में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या की गई है। रविवार रात से सभी लापता थे। सोमवार शाम को सभी की बॉडी मिली है। लाशें घर से डेढ़ किलोमीटर दूर तालाब में मिलीं। जिन्हें जलाने के बाद अलग-अलग बोरों में भरकर जलकुंभियों के बीच छिपाया गया था। सभी शव 80 फीसदी से ज्यादा जल चुके हैं।

एजेंसी

मृतकों में बाबू लाल उरांव, उनकी पत्नी, मां, बहू और बेटा शामिल है। पुलिस के अनुसार, परिवार झाड़-फूंक करता था। 3 दिन पहले गांव में एक बच्चे की मौत हो गई। गांव वालों ने अंधविश्वास में इस हत्याकांड को अंजाम दिया। बाबूलाल के बेटे सोनू ने बताया कि 'मेरे सामने ही पूरे परिवार को मारा गया है। रविवार की रात 10 बजे अचानक 50 लोग घर पर आ गए और मेरी मां सीता देवी को डायन बताकर बांस के पीटने लगे। उन लोगों ने मेरे परिवार को पीट-पीटकर मार डाला।' पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी नकुल ने कहा- 'मारपीट के बाद डीजल छिड़कर पांचों को जिंदा जलाया था।' बेटा बोला- मैंने लाशें उठाकर ले जाते देखा बाबू लाल उरांव का 15 साल का बेटा सोनू किसी तरह अपनी जान बचाकर भागा और नानी घर पहुंचा। उसने आंखों देखी नानी को सुनाई। जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सोनू ने पुलिस को बताया- 'घर से 150-200 मीटर दूर लाशों को ले जाया गया था।

निशाना चिराग पासवान पर तेजस्वी ने क्यों साधा निशाना

टिप्पणी भी करते हैं और उसी सरकार का समर्थन भी करेंगे...

एजेंसी

नयी दिल्ली। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान पर निशाना साधा। चिराग पासवान ने व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी। बिहार में एनडीए के प्रमुख सहयोगी पासवान ने खेमका की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या के बाद राज्य में ध्वस्त कानून-व्यवस्था को लेकर सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए यादव ने पासवान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पासवान राज्य में बढ़ते अपराधों पर टिप्पणी करते हैं, लेकिन उसी सरकार का समर्थन भी करेंगे। राजद नेता ने कहा कि चिराग (पासवान) के पास स्पष्ट रूप से कोई विचारधारा नहीं है। वह (राज्य में) हो रहे अपराधों पर टिप्पणी करते हैं, लेकिन सरकार का समर्थन भी करेंगे। वह उन लोगों का समर्थन करते हैं जो संविधान को नष्ट कर रहे हैं...उन्होंने बिहार के लिए कुछ नहीं किया है, न तो मंत्री के रूप में और न ही अन्यथा। वह सिर्फ अभिनय कर रहे हैं। राज्य में विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि पासवान वर्तमान में अपने सहयोगी जीतन राम मांझी के साथ संघर्ष में हैं और उन्हें नहीं पता कि वह इस साल बिहार चुनाव लड़ेंगे या नहीं।

राजद नेता ने कहा कि चिराग (पासवान) के पास स्पष्ट रूप से कोई विचारधारा नहीं है। वह (राज्य में) हो रहे अपराधों पर टिप्पणी करते हैं, लेकिन सरकार का समर्थन भी करेंगे। वह उन लोगों का समर्थन करते हैं जो संविधान को नष्ट कर रहे हैं

उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि चिराग पासवान आगे क्या करेंगे या क्या नहीं करेंगे।

फिलहाल उनका जीतन राम मांझी से टकराव चल रहा है। उनके और जीतन राम मांझी के बीच विवाद चल रहा है, लेकिन मुझे नहीं पता कि इसका नतीजा क्या होगा। चिराग पासवान बकवास करते हैं। वह दो बार सांसद रह चुके हैं- क्या वह हमें बता सकते हैं कि उन्होंने क्या किया है? चिराग पासवान चुनाव लड़ते हैं या नहीं, मुझे नहीं पता। इसके बाद आरजेडी नेता ने राज्य में बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि सीएम ने अपनी नैतिकता बेच दी है और बिहार में राक्षस राज का दावा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और सीएम नीतीश कुमार के शासन में अपराधियों को जेलों से रिहा किया जा रहा है और राज्य की स्थिति के बावजूद अराजकता और अपराध के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

कभी भी छिड़ सकता है विश्व युद्ध- नितिन गडकरी

गडकरी ने कहा कि इस समय पूरी दुनिया में इजरायल और ईरान के बीच तथा रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को लेकर संघर्ष का माहौल चल रहा है। स्थिति ऐसी है कि इन दोनों चल रहे युद्धों की पृष्ठभूमि में कभी भी विश्व युद्ध छिड़ने की आशंका है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि इस समय दुनिया में संघर्ष का माहौल है और इजरायल-ईरान, रूस-यूक्रेन के बीच जो कुछ हो रहा है, उसकी पृष्ठभूमि में कभी भी विश्व युद्ध छिड़ सकता है। 'बियॉन्ड बॉर्डर्स' पुस्तक के विमोचन के अवसर पर बोलते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध से जुड़ी तकनीकी प्रगति के कारण मानवता की रक्षा करना भी मुश्किल हो रहा है। गडकरी ने कहा कि इस समय पूरी दुनिया में इजरायल और ईरान के बीच तथा रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को लेकर संघर्ष का माहौल चल रहा है। स्थिति ऐसी है कि इन दोनों चल रहे युद्धों की पृष्ठभूमि में कभी भी विश्व युद्ध छिड़ने की आशंका है। गडकरी ने कहा कि आज का युद्ध केवल सैनिकों तक सीमित नहीं है, बल्कि मिसाइलों, ड्रोन और अत्याधुनिक तकनीक के जरिए नागरिकों को सीधे निशाना बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि गडकरी ने रूस-यूक्रेन और इजरायल-ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और अधिनायकवाद के कारण समन्वय, सद्भाव और प्रेम गायब हो रहा है और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। भारत को बुद्ध की भूमि बताते हुए गडकरी ने विश्व को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश देने वाली धरती बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों की समीक्षा करने और विचार-विमर्श के बाद भविष्य की नीति निर्धारित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सम्पादकीय

नए आपराधिक कानूनों की स्वीकार्यता, भारत की न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बना रहे

नए आपराधिक कानून एक सकारात्मक और सुविचारित बदलाव के प्रतीक हैं। पहले वर्ष में एक मजबूत आधार स्थापित हो चुका है। अब आवश्यकता है इसे और मजबूती से आगे बढ़ाने की। यदि यह यात्रा प्रशिक्षण निवेश और नीति समर्थन से सशक्त की जाए तो भारत की न्याय प्रणाली वास्तव में अधिक तेज पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बन सकती है। एक जुलाई, 2024 को भारत ने अपने औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों को तीन आधुनिक विधियों- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) से बदल दिया। इन सुधारों का उद्देश्य नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-सम्मिलित आपराधिक न्याय प्रणाली का निर्माण करना था। लागू होने के पहले दो महीनों में ही इन नए प्रविधानों के तहत 5.56 लाख से अधिक एफआइआर दर्ज हुईं, जो इनकी सक्रिय स्वीकार्यता को दशार्ती हैं। इसके साथ ही 5.6 लाख से अधिक पुलिस, अभियोजन और न्यायिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया, जो प्रशासन की तैयारी और प्रतिबद्धता को दशार्ता है। भारतीय न्याय संहिता ने संगठित अपराध, आतंकवाद और भीड़ हत्या जैसे अपराधों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया है, जिससे यह वर्तमान समय की आपराधिक प्रकृति के अनुरूप बन गई है। इसमें कुछ अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा को दंड के रूप में शामिल किया गया है, जो दंडात्मक न्याय से सुधारात्मक और पुनवार्सात्मक न्याय की ओर एक संवेदनशील कदम है। हालांकि कई प्रविधान अब भी आइपीसी से मिलते-जुलते हैं, लेकिन यह निरंतरता और परिवर्तन के बीच संतुलन बनाने का एक व्यावहारिक तरीका माना जा रहा है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ने प्रक्रिया संबंधी कानून में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। अब नागरिक जीरो एफआइआर और ई-एफआइआर दर्ज कर सकते हैं और केस फाइलें और चार्जशीट डिजिटल रूप में तैयार की जा रही हैं। जांच अधिकारियों को स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि वे घटनास्थल से तुरंत साक्ष्य एकत्र कर सकें और अपलोड कर सकें। दिल्ली, तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पुलिस स्टेशनों में वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष स्थापित किए गए हैं जिससे रिमांड और गवाही की कार्यवाहियां दूरस्थ रूप से की जा सकें। उत्तर प्रदेश इस दिशा में अग्रणी राज्यों में से है। राज्य के सभी 75 जिलों में मोबाइल फारेंसिक वैन तैनात की गई हैं । इसके अलावा 60,000 नए भर्ती पुलिसकर्मियों के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार किया गया है, ताकि वे नवीन विधिक व्यवस्था में प्रशिक्षित हो सकें। बीएनएसएस के अंतर्गत मोबाइल फारेंसिक साइंस यूनिट्स का विस्तार एक प्रमुख सुधार है। इसके साथ ही फारेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं को उन्नत किया जा रहा है, ताकि वे साइबर अपराध और डीएनए परीक्षण जैसे जटिल मामलों की जांच कर सकें।

आज का विचार

संघर्ष से कभी डरना नहीं चाहिए
क्यूंकि यह भी
एक कहानी है
जो सफल होकर सबको सुनानी है

भारत संवाद

मेष राशि : करियरः आज कार्यक्षेत्र में तनाव रह सकता है, संयम रखें. बिजनेसः व्यापार में उतार-चढ़ाव रहेगा, निवेश सोच-समझकर करें. धनः धन हानि से बचने के लिए सोच-समझकर खर्च करें. शिक्षाः एकाग्रता की कमी रह सकती है, ध्यान केंद्रित करें. लव/पारिवारिकः पारिवारिक विवाद से मन अशांत रहेगा, धैर्य रखें.

वृषभ राशिः करियरः करियर में सकारात्मक बदलाव आएंगे, नए अवसर मिलेंगे. बिजनेसः व्यापार में नए साझेदार मिल सकते हैं. धनः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लाभ मिलेगा. शिक्षाः विद्यार्थी नई दिशा में सोच सकते हैं.

मिथुन राशिः करियरः दिन सकारात्मक रहेगा, मनचाहा कार्य मिलेगा. बिजनेसः लाभ के योग हैं, नई पार्टनरशिप शुरू हो सकती है. धनः आमदनी में बढ़ोतरी के संकेत हैं. शिक्षाः कठिन विषयों में सफलता मिलेगी. लव/पारिवारिकः धार्मिक यात्रा संभव है, मन प्रसन्न रहेगा.

कर्क राशिः करियरः यात्रा के योग हैं, लेकिन कार्यक्षेत्र में स्थिरता बनाए रखें. बिजनेसः पार्टनर से धोखा मिल सकता है, सतर्क रहें. धनः आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव रहेगा. शिक्षाः अध्ययन में रुचि घट सकती है.

सिंह राशिः करियरः नौकरी के प्रयास सफल होंगे, नई जिम्मेदारियाँ मिलेंगी. बिजनेसः व्यापार में अच्छा प्रस्ताव मिल सकता है. धनः रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा. शिक्षाः प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी. लव/पारिवारिकः पारिवारिक सहयोग मिलेगा, रिश्तों में मिठास बढ़ेगी.

कन्या राशिः करियरः दिन सामान्य रहेगा, जिम्मेदारियों में वृद्धि हो सकती है. बिजनेसः बड़ा निवेश न करें, सोच-समझकर निर्णय लें. धनः आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो सकती है. शिक्षाः एकाग्रता में गिरावट रहेगी, संयम रखें.

तुला राशिः करियरः कार्यक्षेत्र में बाधाएँ आ सकती हैं, धैर्य रखें. बिजनेसः बनता काम बिगड़ सकता है, सतर्क रहें. धनः आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है. शिक्षाः ध्यान भटक सकता है, आत्मसंयम रखें. लव/पारिवारिकः पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद हो सकता है.

वृश्चिक राशि : करियरः कार्यक्षेत्र में बदलाव न करें, स्थिरता बनाए रखें. बिजनेसः व्यापार में घाटा संभव है, सावधान रहें. धनः आर्थिक हानि के योग बन रहे हैं. शिक्षाः प्रयासों के बावजूद मन कम लगेगा.

धनु राशि : करियरः षड्यंत्र से सावधान रहें, कार्यक्षेत्र में दबाव रहेगा. बिजनेसः नुकसान संभव है, सोच-समझकर निर्णय लें. धनः आर्थिक हानि हो सकती है, बजट बनाकर चलें. शिक्षाः विदेश शिक्षा के योग बन सकते हैं.

मकर राशिः करियरः बदलाव के योग हैं, लेकिन आज निर्णय न लें. बिजनेसः बड़े जोखिम से बचें. धनः धन हानि के योग हैं. शिक्षाः पढ़ाई से मन भटक सकता है. लव/पारिवारिकः विरोध की स्थिति बन सकती है. उपायः काली चीजों का दान करें. लकी कलरः भूरा लकी नंबरः 10

कुंभ राशि : करियरः दिन सकारात्मक रहेगा, रुके कार्य पूरे होंगे. बिजनेसः बड़ी सफलता मिल सकती है, नई साझेदारी संभव है. धनः आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी. शिक्षाः नई जानकारी प्राप्त होगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा. लव/पारिवारिकः मांगलिक कार्य के योग हैं. उपायः कुँवारी कन्या को उपहार दें. लकी कलरः बैंगनी लकी नंबरः 11

मीन राशि : करियरः कार्यक्षेत्र में हानि की संभावना है, सतर्क रहें. बिजनेसः बड़ा ऑफर हाथ से निकल सकता है. धनः वित्तीय स्थिति डगमगा सकती है. शिक्षाः मानसिक तनाव के कारण पढ़ाई में रुकावटें आएंगी. लव/पारिवारिकः मित्र से विवाद हो सकता है. उपायः मछलियों को आटा खिलाएं. लकी कलरः सिल्वर

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विकराल होता जलवायु परिवर्तन का संकट, बादल फटने से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा

> भारत को भी अब हाइड्रोजन सौर पन-पवन और परमाणु ऊर्जा की ओर बढ़ना चाहिए ताकि समूचे उत्तर भारत पर फैले जहरीली हवा और धूल के बादल छंट सकें। भारत में हर साल 16 लाख लोग वायु प्रदूषण से और छह लाख जल प्रदूषण से मरते हैं जो दुनिया में वायु प्रदूषण से मरने वालों का एक चौथाई और जल प्रदूषण से मरने वालों का आधा है।

पा जून के दौरान इस साल इंग्लैंड और स्पेन में रिकार्ड गर्मी पड़ी। लंदन में तापमान 35 डिग्री था, जबकि स्पेन के दक्षिणी शहर कोदोर्बा में 41 डिग्री। स्पेन और पुर्तगाल के अन्य कई शहरों में भी पारा 40 डिग्री से ऊपर पहुंच गया। इटली, ग्रीस, फ्रांस और नीदरलैंड्स में भी भीषण गर्मी पड़ी। इस गर्मी से आठ लोगों की मौत हो गई और तुर्किये में दावानल से बचाने के लिए 50 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना पड़ा। यूरोप में गर्मी का मौसम जून से लेकर जुलाई और अगस्त तक रहता है। जून में मौसम वैसा रहता है जैसा उत्तर भारत में सामान्य तौर पर अप्रैल के दौरान रहता है। हालांकि इस बार दिल्ली में भी अप्रैल का महीना रिकार्ड गर्मी का रहा। दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में बादल फटने से बाढ़ और भूस्खलनों में 70 से अधिक लोग मारे गए और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा। जलवायु विज्ञानियों का कहना है कि यूरोप में धरती से उठती गर्मी को वायुमंडल पर बने उच्च दाब ने गुंबद की तरह घेर लिया था जिसे हीट डोम कहते हैं। जून की ग्रीष्म लहर उसी का परिणाम थी। इसी तरह के हीट डोम दो वर्ष पहले पश्चिमी अमेरिका, चीन और दक्षिणी स्पेन पर बने थे। कैलिफोर्निया की डेथ वैली में पारा 53 .9 डिग्री और स्पेन में 46 डिग्री जा पहुंचा था। हीट डोम बनने और बादल फटने की घटनाएं वायुमंडल में गर्मी बढ़ने के साथ-साथ बढ़ती जा रही हैं। धरती का औसत तापमान औद्योगिक युग से पहले की तुलना में 1 .36 डिग्री बढ़ चुका

है। इसे 1 .5 डिग्री से आगे बढ़ने से रोकने के लिए पेरिस की जलवायु संधि हुई थी। तापमान में हुई वृद्धि के एक चौथाई का जिम्मेदार अकेला अमेरिका है। फिर भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेरिस संधि से हाथ खींच लिया था। विज्ञानियों को आशंका है कि चीन समेत बाकी देश जिस गति से अपना गैस उत्सर्जन घटा रहे हैं उससे धरती का तापमान 1 .5 डिग्री पर नहीं रुक पाएगा। वह 2 .7 डिग्री तक बढ़ जाएगा, जिसके भयावह परिणाम होंगे। नेचर पत्रिका के अनुसार तापमान वृद्धि को यदि 1 .5 डिग्री तक न रोका गया तो इसकी सबसे बड़ी कीमत भारत को चुकानी पड़ सकती है। भारत के करीब 60 करोड़ लोग भीषण गर्मी से प्रभावित होंगे। गर्मी बढ़ने से मिट्टी तेजी से सूखेगी जिसे नम रखने के लिए बड़ी मात्रा में भूजल निकालना होगा और उसके स्रोत सूखने लगेंगे। भारत दुनिया में गेहूं और धान का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। भूजल सूखने से उनकी उपज पर असर पड़ेगा। बागवानी, पशुपालन और मत्स्यपालन भी प्रभावित होंगे। औसत तापमान में एक प्रतिशत की बढ़ोतरी बादलों में सात प्रतिशत अधिक पानी भर सकती है। अधिक पानी से लदे बादलों के फटने की आशंका बढ़ जाती है। बादल फटने से भीषण बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। भारत में हर साल दो से तीन हजार लोग बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में मारे जाते हैं। तापमान बढ़ने से हिमालय के ग्लेशियरों पर भी बर्फ की जगह पानी बरसने लगा है जिसकी वजह से वे तेजी से पिघल कर छीज रहे हैं। गंगोत्री ग्लेशियर ही 15-20 मीटर प्रति वर्ष की गति से छीज रहा है और पिछले तीस वर्षों में लगभग 700 मीटर छीज चुका है। कुछ अन्य ग्लेशियरों की हालत और भी चिंताजनक है। कई ग्लेशियरों की बर्फ पिघलने से झीलें बन गई हैं, जिनके टूटने से बाढ़ आने का खतरा बना रहता है। गत मई में स्विट्जरलैंड का बर्च ग्लेशियर टूटने से उसकी तलहटी में बसा गांव ब्लाटन उसके मलबे में दब गया था। ग्लेशियरों के पिघलने से बाढ़ और भूस्खलन हो रहे हैं और इनके सूखने पर गंगा जैसी सदानीरा नदियां भी बरसाती नदियों में बदल सकती हैं और जलसंकट पैदा हो सकता है। जलवायु परिवर्तन की विभीषिका की रोकथाम के लिए जो वैश्विक सहमति बनी थी वह पिछले कुछ वर्षों में कमजोर हुई है। पहले तो कोविड महामारी ने आर्थिक संकट खड़ा किया। उसके बाद यूक्रेन पर रूस के हमले से ऊर्जा और अनाज के दामों में आग लगी और महंगाई बढ़ी। इससे लोगों और सरकारों दोनों के बजट बिगड़ गए। रही-सही कसर ट्रंप ने पेरिस संधि से हाथ खींचकर, व्यापार जंग छेड़कर और विश्व व्यवस्था को अस्थिर बनाकर पूरी कर दी। जो अमेरिका लोकतांत्रिक देशों को चीन और रूस की तानाशाही के जोखिम से बचाता था, उसे ट्रंप ने जोखिम में बदल दिया। अमेरिका पर भरोसा करने वाले देशों को उम्मीद थी कि उसकी सुरक्षा के साए में वे जलवायु परिवर्तन की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे, लेकिन उन्हें अपने संसाधन अपनी सुरक्षा को मजबूत करने और नए बाजार खोजने में लगाने पड़ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन की तेज होती तपिश के बीच ही सरकारों को अपने बजट उस रक्षा सामग्री पर लगाने पड़ रहे हैं, जिसके निर्माण और प्रयोग से जलवायु परिवर्तन की गति और तेज होगी। गनीमत है कि एक तिहाई ग्रीनहाउस गैस छोड़ने वाला चीन स्वच्छ ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा विकास के काम में लगा है। साइकिलों का देश अब बिजली की कारों, बैटरियों, स्वच्छ ऊर्जा और भविष्य की तकनीकों का सबसे बड़ा उत्पादक, निर्यातक और उपभोक्ता बन चुका है। भारत को भी अब हाइड्रोजन, सौर, पन-पवन और परमाणु ऊर्जा की ओर बढ़ना चाहिए, ताकि समूचे उत्तर भारत पर फैले जहरीली हवा और धूल के बादल छंट सकें। भारत में हर साल 16 लाख लोग वायु प्रदूषण से और छह लाख जल प्रदूषण से मरते हैं जो दुनिया में वायु प्रदूषण से मरने वालों का एक चौथाई और जल प्रदूषण से मरने वालों का आधा है। इसलिए 180 देशों की पर्यावरण प्रदर्शन तालिका में भारत 176वें स्थान पर है। यही हाल रहा तो भारत की जीडीपी का 6 .4 से लेकर 10 प्रतिशत प्रदूषण की भेंट चढ़ने लगेगा। दो साल पहले हुए सर्वेक्षणों के अनुसार भारत के 85 प्रतिशत लोग जलवायु परिवर्तन से चिंतित हैं और 87 प्रतिशत चाहते हैं कि उसकी रोकथाम के उपाय किए जाने चाहिए। हमें यह भी समझना होगा जलवायु परिवर्तन कोई ऐसी जंग नहीं जिसे देश की सीमा पर सेना भेजकर जीत लिया जाए, बल्कि ऐसी जंग है जिसमें दुश्मन हमारे ही भीतर बैठा है जिसे निजी व्यवहार को बदले बिना नहीं जीता जा सकता।

अपनी तकदीर बदलने वाली महिलाएं, दीदी की दुकान महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय

हाल की रिपोर्टों में महिलाओं में स्वरोजगार बढ़ने की बात सामने आई है। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में दीदी की दुकान पहल महिलाओं को उद्यमशीलता का प्रशिक्षण दे रही है जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं। इन दुकानों पर रोजमर्रा के सामान के साथ महिलाओं की जरूरत की चीजें भी मिलती हैं हाल की कई रिपोर्ट में यह बात आई है कि देश में महिलाओं में स्वरोजगार बढ़ा है। एक आंकड़े के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी 37 प्रतिशत हो गई। यह बढ़त मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक दिखी है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रमुख कारण महिलाओं के आत्मनिर्भर होने और किसी न किसी स्वयं सहायता समूह से जुड़ा होना समझा जाता है। इन स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को पिछले दस वर्षों में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सशक्त किया गया है।उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले का गजरौला ब्लाक इन तथ्यों की पुष्टि कर रहा है। यहां पिछले दो वर्ष से दीदी की दुकान पहल के अंतर्गत चयनित एसएचजी की महिलाओं को व्यवसाय एवं उद्यमशीलता में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे कई उद्यमी दीदी अपनी दुकान चला रही हैं। बी-एबल फाउंडेशन की एक परियोजना के तहत इस प्रोजेक्ट की शुरूआत हुई थी, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संगठित एसएचजी से इन महिलाओं को चुना गया। अन्य महिलाएं भी इस पहल का हिस्सा हैं, जो किसी एसएचजी से नहीं जुड़ी हुई हैं।दीदी की दुकानों की खास बात यह है कि परचून और रोजमर्रा के राशन के सामान के साथ-साथ इनमें महिलाओं की जरूरतें संबंधी वस्तुएं भी मिलती हैं। इन दुकानों में सैनेटरी नैपकिन भी उपलब्ध हैं, जिन्हें लड़कियां, महिलाएं बिना हिचक खरीदती हैं। इन दुकानों पर रंग बिरंगी

चूड़ियां, राखियां, सिलाई-कढ़ाई आदि के सामान भी खूब मिलते हैं। एक दीदी की दुकान में फ्रिज होने से कोल्ड ड्रिंक्स, शरबत और डेरी का सामान है। कई दुकानों में गिफ्ट आइटम भी बिकते हैं। इन दुकानों को कुछ निजी कंपनियों ने अलमारी, रैक और काउंटर टेबल अपने कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व-सीएसआर के तहत उपलब्ध कराए हैं।कई उद्यमी दीदी महीने में 20 से 25 हजार रुपये कमा लेती हैं। इस पहल के अंतर्गत दीदियों को इसके लिए प्रोत्साहित किया गया है कि वे हर प्रकार का सामान अपनी दुकानों पर रखें, ताकि गांव वालों को न तो साप्ताहिक हाट-बाजारों पर निर्भर रहना पड़े और न ही शहर पर। इस योजना से सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि महिलाएं आगे आकर दुकानों का कारोबार संभाल रही हैं, जो एक जमाने तक सिर्फ पुरुषों का ही व्यवसाय माना जाता था। इससे कई प्रकार की लैंगिक रूढ़िवादिताएं बदली हैं। अब न केवल महिलाएं आर्थिक तौर पर सशक्त हो रही हैं, बल्कि उनकी सामाजिक गतिशीलता में भी बदलाव आया है।स्वयं सहायता समूहों और उद्यमता से सशक्त हो रही महिलाएं बताती हैं कि उन्हें एक नई पहचान मिली है और अब उनकी भी एक आइडेंटिटी है। यह एक बड़ा बदलाव है। तमाम रिसर्च बताती हैं कि इस तरह की पहल से महिलाओं के आत्मसम्मान में बढ़ोतरी होती है। जैसे कि एक दीदी बताती हैं कि पहले वे अपने घर से बाहर नहीं निकलती थीं, पर अब उनकी दुकान गांव का एक अहम लैंडमार्क बन गई है।यदि किसी को आनलाइन या डाक से कुछ मंगवाना हो तो वह दीदी की दुकान के पते पर पहुंच जाता है। इस तरह ये दीदियां सिर्फ गांव की जरूरतें ही नहीं, बल्कि एक प्रकार से गांव की आकांक्षाओं और आर्थिक सशक्तीकरण की ब्रांड एंबेसडर जैसी बन गई हैं। इस प्रोजेक्ट को यूनिसेफ की भी मदद मिल रही है। जैसे प्रत्येक माह सबसे अधिक बिक्री करने वाली दीदी को बैटरी से चलने वाला एक पंखा यूनिसेफ के सौजन्य से भेंट किया जाता है।अगले कुछ महीनों में यूनिसेफ और ग्रामीण विकास मंत्रालय की मदद से इस प्रोजेक्ट को और राज्यों में शुरू किया जाएगा, जिसमें कंप्यूटर दीदी सेंटर्स की भी शुरूआत होगी। अन्य राज्यों में भी ऐसे प्रोजेक्ट्स हैं जैसे झारखंड आजीविका की दीदी की दुकान, बिहार में दीदी की रसोई। कर्नाटक में नारी उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए सहगल फाउंडेशन के अंतर्गत अमृत स्टाल चलाए जा रहे हैं, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर केंद्रित हैं। महिला उद्यमिता की ऐसी योजनाएं लैंगिक समानता एवं सतत विकास लक्ष्य पांच के तहत सुचारु रूप से अपना योगदान दे रही हैं, लेकिन कुछ बिंदुओं पर और काम हो सकता है।अभी बी-एबल फाउंडेशन इन सभी दीदियों को व्यवसाय प्रबंधन, वित्तीय साक्षरता आदि की ट्रेनिंग देता है, लेकिन इस पर और काम किया जा सकता है। महिलाओं को और अधिक डिजिटल प्रशिक्षण दिलवाया जा सकता है।इन दुकानों पर खिलौने रखे जा सकते हैं, जिससे मेक इन इंडिया, वोकल फार लोकल जैसी योजनाओं को और मजबूती मिले। हस्तशिल्प और वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के ऐसे उत्पाद भी इन दुकानों पर रखे जा सकते हैं, जिनकी ग्रामीण इलाकों में मांग हो। महिलाओं को अधिक लोन सुविधाओं से जोड़ा जाना चाहिए। एक अहम मुद्दा जंक फूड से जुड़ा है। इन दुकानों पर मोटे अनाज से बने पौष्टिक खाद्य पदार्थ रखे जा सकते हैं।

चातुर्मास में भगवान विष्णु एवं महादेव शिव की उपासना

(अंजनी सक्सेना)

चातुर्मास यानि आषाढ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी तक का समय सब पापों का नाश करने वाला है। स्कंद ?पुराण में कहा गया है कि इस अवधि में जो भी मनुष्य भगवान शिव अथवा विष्णु या दोनों को अपने हृदय में स्थापित करके अभेद बुद्धि से उनका चिंतन, स्मरण एवं उपासना करता है वह मनुष्य सब पाप कर्मों से मुक्त हो जाता है तथा उसके लिए अपना शत्रु भी अत्यंत प्रिय हो जाता है। चातुर्मास में भगवान विष्णु एवं महादेव शंकर का व्रत करने वाला मनुष्य उत्तम माना गया है। इस अवधि में भगवान विष्णु की शालग्राम स्वरूप ,भगवान शिव की नर्मदेश्वर स्वरूप और दोनों की संयुक्त रूप से हरिहर स्वरूप में आराधना करने का विधान है। चातुर्मास में भगवान श्री हरि विष्णु की एवं देवाधिदेव महादेव की भक्ति करना श्रेयस्कर माना गया है । चातुर्मास में स्नान का भी महत्व है। स्कंद पुराण के अनुसार चातुर्मास में नदी में स्नान करने वाले को सिद्धि प्राप्त होती है। झरने, तालाब या बावड़ी में स्नान करने वाले के हजारों पाप तत्काल नष्ट हो जाते हैं। जो मनुष्य चातुर्मास में पुष्कर, प्रयाग या किसी और महातीर्थ के जल में स्नान करता है उसके पुण्यों की संख्या में बढ़ोतरी होती है। नर्मदा नदी, सरस्वती नदी या समुद्र संगम में यदि कोई व्यक्ति चातुर्मास में एक दिन स्नान कर ले तो उसके समस्त पाप समाप्त हो जाते हैं। जो व्यक्ति चातुर्मास में नियम से एकाग्रचित्त होकर तीन दिन भी नर्मदा स्नान कर लेता है तो उसके पाप के हजारों लाखों टुकड़े हो जाते हैं। जो मनुष्य सूर्योदय के समय चातुर्मास में पंद्रह दिन निरंतर गोदावरी नदी में स्नान करता है वह इस लोक में सारे सुख पाकर भगवान विष्णु के धाम जाता है। जो मनुष्य तीर्थस्थल न जा सके वह भी यदि तिल एवं आंवला मिश्रित जल या फिर जल में बिल्व पत्र डालकर स्नान करें तो उनके भी समस्त पापों का शमन हो जाता है। बिना स्नान के इस अवधि में कोई कार्य नहीं करना चाहिए। बिना स्नान किए जो भी पुण्य कर्म एवं शुभकर्म किए जाते हैं वे निष्फल हो जाते हैं। ऐसे में किए गए सभी पुण्य कार्यों का फल राक्षसों द्वारा ग्रहण कर लिया जाता है। चातुर्मास में स्नान के अंत में भगवान श्री हरि का स्मरण करके पित्रों का तर्पण करने से अनंत फल की प्राप्ति होती है। पित्र तर्पण के बाद षोडशोपचार से भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। भगवान के शयन करने पर उनकी षोडशोपचार पूजा महातप के समान मानी जाती है। भगवान विष्णु की प्रतिमा या शालग्राम शिला स्थापित कर के यजुर्वेद के सोलह ऋचाओं वाले महासूक्त पुरुषसूक्त की प्रथम ऋचा?सहस्त्राशीर्षा पुरुषः?मंत्र के आदि में ऊंकार जोड़कर भगवान श्री हरि का आवाहन किया जाता है। दूसरी ऋचा 'पुरुष एवेदम' से श्री हरि को आसन समर्पित किया जाता है। तीसरी ऋचा से पाद्य, चौथी ऋचा से अर्घ्य, पांचवी ऋचा से आचमन, छठी ऋचा से स्नान कराकर पुनः आचमन करना चाहिए। सातवीं ऋचा से भगवान श्री हरि को वस्त्र, आठवीं से यज्ञोपवीत, नौवीं ऋचा से चंदन, दसवीं से पुष्प, ग्यारहवीं से भगवान श्री हरि को धूप अर्पित करना चाहिए। चातुर्मास में भगवान श्री हरि को कपूर, चंदन दल, मिश्री, मधु (शहद) और जटामासी से युक्त अगरु की धूप अर्पित करना चाहिए। बारहवीं ऋचा से भगवान श्री हरि को दीपदान करना चाहिए। चातुर्मास में जो मनुष्य भगवान विष्णु के आगे दीपदान करता है उसके सारे पाप क्षणभर में जलकर भस्म हो जाते है। दीपदान के बाद तेरहवीं ऋचा के साथ भगवान विष्णु को अन्न युक्त नैवेद्य अर्पित करना चाहिए। चौदहवीं ऋचा से आरती करके पंद्रहवी ऋचा द्वारा ब्राह्मणों के साथ भगवान के चारों ओर घूमकर परिक्रमा करनी चाहिए। अंत में सोलहवीं ऋचा द्वारा भगवान विष्णु के साथ अपनी एकता का चिंतन करना चाहिए।

संगम में नाव में 10 फीट लंबा अजगर निकलासंगम में नाव में 10 फीट लंबा अजगर निकला

बैठे यात्री डरकर चिल्लाने लगे, वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

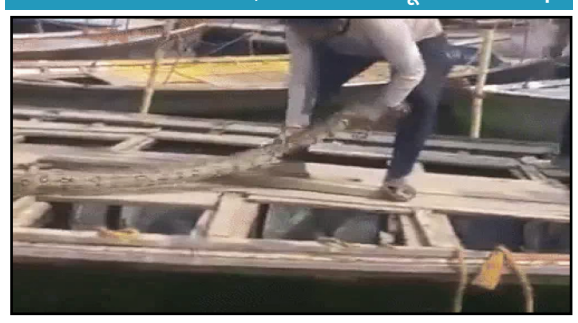

भारत संवाद

प्रयागराज, संगम तट पर एक नाव में अचानक 10 फीट लंबा अजगर निकल आया। नाव में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोग डर के मारे चिल्लाने लगे। कुछ यात्री घबराहट में नाव से कूदने की कोशिश करने लगे। आस-पास की नावों में मौजूद नाविकों ने तुरंत स्थिति को संभाला। उन्होंने सावधानी से अजगर को पकड़ा। किसी को कोई चोट नहीं आई। वन्य टीम ने अजगर को जंगल में छोड़ दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, मानसून के दौरान संगम क्षेत्र में जलीय और वन्य जीवों की आवाजाही बढ़ जाती है। गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर इस मौसम में जंगली जीवों का दिखना आम बात है। प्रशासन ने घटना के बाद सतर्कता बढ़ा दी है। संगम क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ाई गई है। यात्रियों को सावधान रहने की सलाह दी गई है। आपात स्थिति में पुलिस या जल पुलिस से संपर्क करने को कहा गया है।

वन्डर गर्ल सौंदर्या विश्रुता पाण्डेय मंत्री नन्दी के साथ मुख्यमंत्री से की मुलाकात

साढ़े चार वर्ष की उम्र में शिव तांडव स्त्रोत का पाठ कर बना चुकी हैं कई रिकॉर्ड

भारत संवाद

- मुख्यमंत्री को सुनाया कंठस्थ शिव तांडव स्त्रोत एवं गोरखनाथ की स्तुति
- मुख्यमंत्री ने सौंदर्या विश्रुता पाण्डेय की असाधारण प्रतिभा की सराहना की

जिस उम्र में बच्चे बमुश्किल क ख ग घ और ए बी सी डी याद कर पाते हैं उस उम्र यानी मात्र केवल साढ़े चार वर्ष की उम्र में मात्र दो मिनट तीन सेकेंड में शिव तांडव स्त्रोत का कंठस्थ पाठ कर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, इण्डिया बुक ऑफ रिकार्ड, वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकार्ड समेत अन्य कई रिकार्ड बनाने वाली लखनऊ की वंडर गर्ल सौंदर्या विश्रुता पाण्डेय ने उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के साथ सोमवार को पांच कालिदास मार्ग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। विश्रुता पांडेय ने मुख्यमंत्री के समक्ष शिवतांडव स्त्रोत के साथ ही भगवान गोरखनाथ की स्तुति का पाठ कर उन्हें सुनाया। साथ ही आंख बंद कर भारतीय संविधान की प्रस्तावना और संविधान के मौलिक अधिकार अनुच्छेद 12 को भी सुनाया। मुख्यमंत्री ने असाधारण प्रतिभा की धनी सौंदर्या विश्रुता पाण्डेय की सराहना की। शुभकामनाएं दी और उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान वंडर गर्ल की मां श्रीमती गुंजा पांडेय और पिता आम्गुतोष कुमार पांडेय भी मौजूद रहे। सौंदर्या विश्रुता पाण्डेय ने शिव तांडव स्त्रोत पाठ के साथ ही आंखों में पट्टी बांध कर भारतीय संविधान की प्रस्तावना और भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार अनुच्छेद 12 से 32 को पांच मिनट में सुनाने का रिकार्ड बनाया है। विश्रुता पाण्डेय को जन्म से इस तरह का ईश्वरीय गुण मिला हुआ है कि वह जो भी पढ़ती हैं. कुछ ही क्षणों में वह उन्हें कंठस्थ हो जाता जाता है। जिसकी वजह से वे किताब देख कर नहीं बल्कि आंख बंद कर कंठस्थ चीजों को आसानी से सुनाती हैं।सौंदर्या विश्रुता पाण्डेय संस्कृत भाषा में 50 अन्य श्लोकों के साथ महामृत्युंजय मंत्र और गायत्री मंत्र का पाठ करने के साथ ही शंखनाद भी करती हैं। सौंदर्या ने मात्र 16 सेकेंड में भाज्य संख्या दस तक सुना कर एशिया बुक ऑफ रिकार्ड एवं इण्डिया बुक ऑफ रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया है।

फास्ट ट्रैक

थाना चील्ह पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चील्ह पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः 07.07.2025 को उप-निरीक्षक कुर्बान अली मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी सीताराम पुत्र स्व0रामखेलावन निवासी लखनपुर थाना चील्ह जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना अदलहाट पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना अदलहाट पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः 07.07.2025 को उप-निरीक्षक हंसलाल राम मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी नन्दू पुत्र भोला निवासी भुइली थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना अदलहाट पुलिस द्वारा नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना अदलहाट, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः04.07.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिक पुत्री को बहला-फुसलाकर कर भगा ले जाने तथा वादी द्वारा अभियुक्त के माता-पिता से उनके घर जाकर पूछने पर गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अदलहाट पर मु0अ0सं0-210/2025 धारा 137(2),87,352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक अदलहाट को अभियुक्त की गिरफ्तारी कराये जाने के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में पंजीकृत उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित अपहृता को बरामद कर, मुकदमें में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः07.07.2025 को उप-निरीक्षक रणजीत सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना अदलहाट क्षेत्रान्तर्गत टेढुआ बाबा मंदिर के पास से नामजद अभियुक्त सनी पुत्र घासी निवासी रोहणा थाना अलीनगर जनपद चन्दौली को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

यमुना का जलस्तर बढ़ने से अरैल घाट डूबा

प्रशासन ने लगाई बैरिकेडिंग, स्नान पर रोक; जल पुलिस तैनात

प्रयागराज, गंगा और यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नैनी के अरैल घाट पर इसका प्रभाव साफ दिखाई दे रहा है। घाट पर स्थित बारादरी पूरी तरह जलमग्न हो चुकी है। निचली बारादरी में बने विश्राम गृह की केवल छत दिखाई दे रही है। बाढ़ की स्थिति के बावजूद स्थानीय लोग यहां पहुंच रहे हैं। यमुना की लहरें लोगों को आकर्षित कर रही हैं। कई लोग घाट के किनारे पिकनिक मना रहे हैं। सुबह और शाम को स्नान करने वालों की भीड़ जमा हो रही है। एसडीएम करछना तपन मिश्रा के अनुसार बाढ़ को लेकर प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। अरैल घाट पर स्नान करने वालों की सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग लगाई गई है। लोगों को गहरे पानी में स्नान करने से मना किया गया है। घाट पर जल पुलिस और गोताखोर तैनात किए गए हैं। नैनी के अरैल घाट और महेवा गांव के किनारे रहने वाले लोगों को सावधान किया गया है।

महापौर द्वारा आगामी दिनों में श्रावण मास में शहर में स्थित दशासुमेध घाट व अन्य घाटों से कांवरियों द्वारा स्नान व जल भरने के दौरान उन्हे किसी प्रकार की समस्या न हो के दृष्टिगत निरीक्षण किया गया।

भारत संवाद

दिनांक 07-07-2025 को उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी मा0 महापौर द्वारा आगामी दिनों में श्रावण मास में शहर में स्थित दशासुमेध घाट व अन्य घाटों से कांवरियों द्वारा स्नान व जल भरने के दौरान उन्हे किसी प्रकार की समस्या न हो के दृष्टिगत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पार्षदगण श्री उमेश मिश्रा,विनय कुमार मिश्र,सोनू पाठक व विमल किशोर मिश्रा, अपर आयुक्त पुलिस, दीपेन्द्र यादव, अपर नगर आयुक्त, विकास सेन संयुक्त नगर आयुक्त/जोनल-4, दिनेश सचान, मुख्य अभियन्ता,कुमार गौरव महाप्रबन्धक जलकल,संघ भूषण अधिशाषी अभियन्ता जलकल, आशुतोष सहायक अभियन्ता जल निगम,राम सक्सेना,अवर अभियन्ता, रंजन श्रीवास्तव सफाई निरीक्षक उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान उपस्थित क्षेत्रीय पार्षदों/नगरिकगणों द्वारा अवगत कराया गया कि कावंर यात्रा के दौरान दशासुमेध घाट के आस पास का क्षेत्र अतिक्रमण से परिपूर्ण रहता है जिस कारण आने वाले श्रद्वालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है साथ उक्त स्थान पर अस्थाई शौचालय,पेयजल की व्यवस्था,सफाई की व्यवस्था तथा सम्पूर्ण क्षेत्र जहॉ जहॉ से कावरिये आते जाते है तथा घाट पर समुचित प्रकाश व्यवस्था व घाट पर बैराकेटिंग की व्यवस्था कराने का अनुरोध किया गया।मा0 महापौर द्वारा सम्बन्धित उपस्थित अधिकारी को निर्देश दिये गये कि सावन के दौरान घाट के आस पास के सम्पूर्ण क्षेत्र में तीनों समय सफाई व तत्काल अतिक्रमण हटाये जाने की व्यवस्था,मार्गो पर समुचित सफाई, मलवा/कूड़ा निस्तारण, कीट नाशक का छिड़काव,लीकेज,सीवर के टूटे ढक्कनों को बदलने का कार्य,पैच वर्क,चोक सीवर/नालियों की सफाई तथा समुचित मार्ग प्रकाश की व्यवस्था आवारा पशुओं के पकड़ने का कार्य, अस्थाई टायलेट,चेंजिग रूम,शुद्व पेयजल हेतु टैंकर की व्यवस्था, बैराकेटिंग की व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित किया जाय। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय । जिससे श्रद्वालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रयागराज में 9 जुलाई को आरपीआई का संविधान सम्मान सम्मेलन, केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले होंगे मुख्य अतिथि

भारत संवाद

प्रयागराज। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ा रही है। इसी क्रम में आगामी 9 जुलाई 2025, को प्रयागराज में संविधान सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। संविधान सम्मान सम्मेलन का आयोजन प्रयाग संगीत समिति ऑडिटोरियम में हो रहा है। कार्यक्रम में आरपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार रामदास आठवले जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। संविधान सम्मान सम्मेलन को लेकर पूरे प्रदेश के आरपीआई कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। कार्यक्रम में प्रयागराज मंडल के समस्त जिलों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से भारी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल होंगे।

ये बात आरपीआई के प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने प्रयागराज प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान पत्रकार बंधुओं को संबोधित करते हुए कही।

पवन भाई गुप्ता ने कहा कि संविधान सम्मान सम्मेलन को ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बनाने के लिए हर स्तर पर तैयारियाँ की जा रही हैं। यह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का संदेश है। यह आरपीआई की विचारधारा, संगठनात्मक शक्ति और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की प्रतिबद्धता का प्रमाण होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से आरपीआई पूर्वांचल में अपनी जमीन को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ायेगी। संविधान सम्मान सम्मेलन संगठन को जमीनी स्तर तक सशक्त करने, सामाजिक न्याय के मुद्दों को धार देने, नए लोगों को पार्टी से जोड़ने और आगामी चुनावों में मजबूती से उतरने की रणनीति का हिस्सा है। पार्टी का लक्ष्य है कि समाज के वंचित, शोषित, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक एवं अन्य कमजोर वर्गों की आवाज को एकजुट किया जाए और संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा की जाए। आरपीआई पूरे प्रदेश में सामाजिक न्याय की बुलंद आवाज बनकर उभरी है। पार्टी हर पीड़ित, शोषित और वंचित वर्ग की आवाज को मंच दे रही है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए लगातार संघर्ष कर रही है।

इन 10 मुद्दों को लेकर आरपीआई मैदान में

पत्रकार वार्ता के दौरान पवन भाई गुप्ता ने कहा कि आरपीआई उत्तर प्रदेश में 10 प्रमुख मुद्दों के साथ जनसामान्य को अपने साथ जोड़ने का काम कर रही है। ये सभी मुद्दे हर जनसामान्य के कल्याणकारी हैं और इन मुद्दों के जमीन पर लागू होने से आम जनता को सुविधा मिलेगी एवं हमारा लोकतंत्र मजबूत होगा। 10 सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क शिक्षा, निःशुल्क चिकित्सा, निःशुल्क न्याय, सामाजिक न्याय,, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, श्रमिक कल्याण, बेरोजगारी हटाओ, पुलिसिया उत्पीड़न पर रोक लगे, भूमिहीनों को जमीन जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से शामिल हैं।

आपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत यात्रियों के सामान एवं मोबाइल की चोरी करने वाले 01 शातिर अभियुक्त को रेसुब एवं जीआरपी प्रयागराज द्वारा किया गया गिरफ़्तार

भारत संवाद

श्रीमान महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेसुब, उमरे/प्रयागराज के दिशा निर्देशन में , श्रीमान वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल, प्रयागराज के प्रभावी मार्गदर्शन में एवं पोस्ट कमांडर /रेसुब पोस्ट प्रयागराज के कुशल नेतृत्व में यात्री सामान की चोरी की रोकथाम व चोरी में संलिप्त अपराधियों की धरपकड़ के क्रम में अरक- उमेश कुमार सरोज, रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज, HC- सुनील कुमार, डिटेक्टिव विंग/प्रयागराज तथा रक- संजय कुमार राय, जीआरपी थाना प्रयागराज द्वारा दिनांक. 07.07.2025 को संयुक्त रुप से रेलवे स्टेशन प्रयागराज के हावड़ा एंड जीआरपी कालोनी मंदिर के पास से 01 शातिर अभियुक्त सुशील कुमार पुत्र स्वर्गीय प्रयाग नारायण पांडेय निवासी ग्राम गारवपुर थाना सोरांव, जिला प्रयागराज को यात्रियों से चोरी किये गये 02 अदद मोबाइलों, 01 अदद लाकेट (पीली धातु), 01 अदद पायल (सफेद धातु), 01 अदद कड़ा (सफेद धातु) एवं नगद ? 10,000/- (कुल कीमत -85000/-) के साथ गिरफ्तार किया गया।

उ0प्र0 शिक्षा सेवा चयन आयोग के एक्स हैंडल से परीक्षा की नोटिस डिलीट

युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष ने लाचार,बेबस आयोग पर कसा तंज

भारत संवाद

प्रयागराज ,उ०प्र०शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा टीजीटी-पीजीटी परीक्षा आयोजित कराने की नोटिस एक्स हैंडल से डिलीट कर दिया गया युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने आयोग को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आयोग केवल नौजवानों के भविष्य के साथ मजाक कर रहा है उत्तर प्रदेश के नौजवान यह चाहते थे कि आयोग परीक्षा की तिथियों को स्पष्ट कर यह सुनिश्चित करे कि परीक्षा समय पर होगी अब तक तीन बार परीक्षा तिथि में बदलाव से छात्रों में काफी आक्रोश है जो युवा मंच के बैनर तले ३०जून को हुए आन्दोलन से अनुमान लगाया जा सकता है ।श्री सिंह का कहना है कि योगी सरकार द्वारा सही अधिकारियों की नियुक्ति नहीं करने का नतीजा सामने है कि एक्स से पोस्ट की डिलीट करना पड़ रहा है जो बहुत ही शर्मनाक है भारी भरकम आयोग का अस्तित्व खतरे में है समय रहते सरकार को गम्भीरता से विचार कर आयोगों में ईमानदार,कर्मठ, जुझारू अध्यक्ष,सचिव,परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति करनी चाहिए सूत्रों की मानें तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े भ्रष्ट अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपना सरकार की नाकामी को प्रदर्शित करता है छात्रों में चर्चा है कि जो भी अध्यक्ष,सचिव, परीक्षा नियंत्रक,सदस्य चुने गए हैं सबसे मोटी रकम लेकर नियुक्ति की गई है तो पनौती तो होगी ही अब इस आयोग से उम्मीद न के बराबर है।

अनिगमित क्षेत्र के उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण ए0एस0यू0एस0ई सम्बन्धी तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का माँ सरस्वती जी को पुष्पार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया शुभारम्भ

भारत संवाद

कृषि, विनिर्माण, सेवाओं और अन्य बुनियादी ढांचे जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करके उ0प्र0 राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जी0एस0डी0पी0) को वन ट्रिलियन डॉलर बनाये जाने का लक्ष्य मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा निर्धारित किया गया है। इसी उद्देश्य के परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जनपद में माह जुलाई 2025 से जून 2026 के मध्य अनिगमित क्षेत्र के उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण ए0एस0यू0एस0ई सम्पन्न कराया जाना है, जिससे जनपदों के जिला घरेलू उत्पाद डी0डी0पी0 का आकलन किया जा सकेगा। इस सर्वेक्षण में विनिर्माण, व्यापार तथा सेवा क्षेत्र के अनिग्मित उद्यमों से महत्वूपर्ण सूचनायें जैसे प्रति उद्यम सकल आवर्धित मूल्य तथा प्रति श्रमिक सकल आवर्धित मूल्य के ऑकडें.एकत्रित किये जायेंगे। अर्थ एवं संख्या प्रभाग, नियोजन विभाग द्वारा ए0एस0यू0एस0ई सर्वेक्षण हेतु सर्वेक्षकों एवं पर्यवेक्षकों तथा मण्डलीय एवं जनपदीय विभागीय अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 07 जुलाई से 09 जुलाई 2025 तक निर्धारित किया गया है। इसके दृष्टिगत विन्ध्याचल मण्डल के तीनों जनपदों के प्रतिभागियों के प्रशिक्षण हेतु आयुक्त, विन्ध्याचल मण्डल श्री बाल कृष्ण त्रिपाठी द्वारा क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मीरजापुर का प्रशिक्षण हाल आरक्षित करते हुये मण्डलीय अर्थ एवं संख्याधिकारी राम नरायन यादव को प्रशिक्षण कार्यक्रम सुचारू ढंग से संचालित कराने के निर्देश दिये गये। आवधिक बल श्रम सर्वेक्षण सम्बन्धी मण्डलीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 02 जुलाई से 04 जुलाई 2025 की अवधि में सम्पन्न कराया जा चुका है। अनिगमित क्षेत्र के उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण ए0एस0यू0एस0ई सम्बन्धी तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का दिनांक 07-07-2025 को मुख्य अतिथि श्री अशोक कुमार प्रजापति, सहायक निदेशक, विन्ध्याचल मण्डल द्वारा माँ सरस्वती जी को पुष्पार्पण करते हुए दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा ए0एस0यू0एस0ई सर्वे के प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन करते हुये गुणवत्तापूर्ण आंकड़ों का संग्रहण एवं उनकी उपयोगिता तथा महत्ता के प्रति जागरूक किया गया।

शिलान्यास इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर उपस्थित रहे

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा कपूरीग्राम स्टेशन के उन्नयन एवं कपूरीग्राम स्टेशन के पश्चिम छोर पर सब-वे के निर्माण का किया गया शिलान्यास

भारत संवाद

हाजीपुर - माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव आज बिहार के दौरे पर पटना पहुंचे । इस दौरान माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सर्वप्रथम दीघा ब्रिज हाल्ट का निरीक्षण किया । तत्पश्चात माननीय रेल मंत्री जी ने दीघा ब्रिज हाल्ट से कपूर्रीग्राम के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। आज के माननीय रेल मंत्री के बिहार के दौरे के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर, दरभंगा के माननीय सांसद श्री गोपाल जी ठाकुर, समस्तीपुर की माननीया सांसद श्रीमती शांभवी, बिहार विधान परिषद के माननीय विधायक डॉक्टर तरूण कुमार एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे । कपूरीग्राम स्टेशन पर माननीय रेल मंत्री द्वारा कपूरीग्राम स्टेशन के उन्नयन एवं कपूरीग्राम स्टेशन के पश्चिमी छोर पर सब-वे के निर्माण का शिलान्यास किया गया । शिलान्यास के उपरांत माननीय रेल मंत्री कपूरीग्राम स्टेशन पर प्रेस प्रतिनिधियों से वार्ता करते हुए कहा कि कपूरीग्राम स्टेशन का 3.30 करोड़ रुपये की लागत से उन्नयन कार्य किया जाएगा जिसके तहत स्टेशन का रिमॉडलिंग एवं स्टेशन पर यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराया जाएगा । साथ ही कपूरीग्राम स्टेशन पर 18 फीट चौड़ा एफओबी का निर्माण किया जाएगा इसके साथ ही स्टेशन के पश्चिमी छोर पर 14 करोड़ रुपये की लागत से एक सब-वे का निर्माण कराया जाएगा । यह सब-वे न केवल रेल परिचालन को अधिक सुगम और संरक्षित बनाएगा बल्कि रेलवे लाइन के दोनों ओर स्थित गांवों और बस्तियों को जोड़ते हुए सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी एक नई गति प्रदान करेगा । इसके उपरांत माननीय रेल मंत्री कपूर्रीग्राम से विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए समस्तीपुर स्टेशन पहुंचे जहां उन्होंने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा यात्रियों से बातचीत कर उनसे फीडबैक लिए । इसके बाद उन्होंने समस्तीपुर मंडल के उन्नयनीकृत कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर ट्रेनों के संरक्षित एवं सुचारू परिचालन के संबंध में उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए । इसके उपरांत माननीय रेल मंत्री जी की अध्यक्षता में समस्तीपुर मंडल के सभागार में एक उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए माननीय मंत्री जी द्वारा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए और परियोजनाओं को समय-सीमा के अंदर पूरा करने पर बल दिया ।

आज के इस दौरे के दौरान माननीय रेल मंत्री जी ने कहा कि माल यातायात में रेल की हिस्सेदारी 20 से 29 प्रतिशत हो गया जिसे बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है । पिछले 11 सालों में भारतीय रेलवे पर 35000 किमी से ज्यादा का नया रेलवे ट्रैक का निर्माण किया गया है । उन्होंने कहा कि अब रेल ओवर ब्रिज (फडइ) का निर्माण केन्द्र सरकार द्वारा ही बनाया जाएगा । उन्होंने रेलवे में नियुक्ति हेतु वार्षिक कैलेण्डर जारी किया गया है जिसमें और सुधार किया जा रहा है ताकि तय समय पर परीक्षा का आयोजन किया जा सके । उन्होंने कार्य की गुणवत्ता के लिए अतिरिक्त प्रयास करने निर्देश दिए ताकि जमीन पर लोगों को गुणवत्ता युक्त कार्य दिख सके ।

उद्योग विभाग द्वारा संचालित तकनीकी उन्नयन योजना के अंतर्गत जनपद मीरजापुर की तीन औद्योगिक इकाइयों को अपनी उन्नत प्लांट मशीनरी लगाने के लिए प्रदान की गई सब्सिडी

भारत संवाद

मीरजापुर ,उद्योग विभाग द्वारा संचालित तकनीकी उन्नयन योजना के अंतर्गत जनपद मिजार्पुर की तीन औद्योगिक इकाइयों को अपनी उन्नत प्लांट मशीनरी लगाने के लिए सब्सिडी प्रदान की गई है तीन इकाइयां निम्न प्रकार हैं सेठिया इंडस्ट्रीज जो की दोना पत्तल हाइड्रोलिक पेपर प्लेट का निर्माण किया जाता है उनको 05 लाख तथा विंध्य प्रिंटिंग वर्क्स उनको भी 05 लाख आरिका इंटरप्राइजेज जो की फैब्रिकेशन की यूनिट है उनको 03 लाख की सब्सिडी सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई है उत्तर प्रदेश सरकार के उद्योग विभाग द्वारा तकनीकी उन्नयन योजना संचालित की जा रही है जिसमें कोई भी उत्पादन करने वाली सूक्ष्म एवं लघु इकाई या सेवा प्रधान प्रदान करने वाली सूक्ष्म और लघु इकाई अपना किसी भी प्रकार का तकनीकी उन्नयन करते हैं अर्थात कोई उन्नत या एडवांस मॉडर्न किस्म की मशीन लगते हैं उनको कैपिटल सब्सिडी भी प्रदान की जाती है एवं किसी सूक्ष्म लघु इकाई द्वारा यदि मशीन भी खरीदने के लिए बैंक से लोन लिया गया है तो उसके लिए जितना ब्याज दिया जाता है उसके सापेक्ष 50% का ब्याज अनुदान उपलब्ध कराया जाता है जो जिसकी अधिकतम सीमा ? 01 लाख प्रतिवर्ष है एक लाख रुपए प्रति वर्ष है इसके अतिरिक्त यदि किसी सूक्ष्म लघु इकाई द्वारा कोई भी आइ एस आई आइ एस ओ जी आई या कोई क्वालिटी काउंसिल आफ इंडिया से कोई अन्य मानक से संबंधित प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाता है उसके लिए भी अनुदान उपलब्ध कराया जाता है चाहे वह एगमार्ग ले या I२२१ , बी आई एस हॉलमार्क एगमार्क सिल्क मार्क या आयुष विभाग से या कोई भी ऐसा सर्टिफिकेट प्राप्त करें कि जो की क्वालिटी से संबंधित हो उसके लिए भी छूट प्रदान की जाती है तथा यदि कोई सूक्ष्म या लघु इकाई किसी तकनीकी संस्था से कोई कंसल्टेंसी प्राप्त करती है जैसे किसी इंजीनियर कॉलेज से आईआईटी बी एच यू या अन्य तकनीकी संस्था से कोई भी वित्तीय परामर्श यदि लेती है तो उसके लिए जो फीस उनके द्वारा दी जाती है उसके सापेक्ष भी विभाग द्वारा अनुदान प्रदान किया जाता है। उपयुक्त उद्योग वीरेंद्र कुमार द्वारा जनपद के सभी सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों से अपील की गई कि इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से संपर्क कर लें कोई भी ऐसी इकाई जो 03 साल पुरानी हो यानी 03 साल से संचालित हो और यदि उनके द्वारा कोई भी मशीन लगाई जाती हैं जो कि पर्यावरण सुधार करती हो क्वालिटी अपग्रेड करती हूं उत्पाद की या सेवा क्षेत्र से जुड़ी इकाइयां जैसे कोई भी हॉस्पिटल पैथोलॉजी ए अपने यहां पर नई मशीन लगते हैं तो ऐसे सभी उद्यमी या सेवा प्रदाता इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

जिला कृषि अधिकारी ने किसान भाईयों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग के प्रति किया जागरूक

उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग से मृदा व पर्यावरणीय क्षति के साथ ही कृषि लागत में होती है वृद्धिः धीरेन्द्र सिंह चौधरी, डीएओ

भारत संवाद

अलीगढ़ ,2025 (सू0वि0): जिला कृषि अधिकारी धीरेन्द्र सिंह चौधरी ने किसान भाईयों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग के बारे में जागरूक करते हुए बताया है कि उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग से मृदा एवं पर्यावरण की क्षति होती है साथ ही कृषि निवेशों से लागत में भी वृद्वि होती है जबकि उपज में कोई सकारात्मक परिणाम नहीं आते है।उन्होंने बताया कि वर्तमान में पीएम प्रणाम योजना के अन्तर्गत यूरिया एवं डीएपी उर्वरकों के संतुलित उपयोग एवं इनके पोषक तत्वों को अन्य उर्वरक के माध्यम से पूर्ति किया जाना है, जिससे कि मृदा एवं पर्यावरण की गुणवत्ता बनी रहें। कृषक भाई अपनी जोत बही के अनुसार ही उर्वरक क्रय करें अनावश्यक भण्डारण न करें व फसलों में संस्तुत उर्वरकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि किसान भाई उर्वरक खरीदने के लिए आधार कार्ड साथ ले जायें और विक्रेता से कैश मेमो अवश्य प्राप्त करें।उन्होंने सभी उर्वरक विक्रेताओं को सूचित किया है कि वह कृषकों को उर्वरक उनकी कृषि, जोत, फसल के अनुसार एवं उनके आधार कार्ड व आधार पंजीकरण संख्या के आधार पर दें और उर्वरक बिक्री की कैश मेमो अनिवार्य रूप से दिया जाये। विक्रय प्रतिष्ठान पर स्टाक एवं रेट का अंकन प्रतिदिन करें। प्रतिष्ठान पर उपलब्ध उर्वरक के स्टाक एवं रेट बोर्ड प्रतिदिन डिस्प्ले किया जाये। नाइट्रोजन उर्वरक की टॉप ड्रेसिंग के लिए यूरिया के स्थान पर नैनो यूरिया का उपयोग करें। नत्रजन की टॉप ड्रेसिंग 02 अवस्था में 35 व 50 दिन के अन्तराल पर करें।

एससी/एसटी प्रशिक्षित शिक्षकों ने उठाई प्रशिक्षण नियोजन बहाली की मांग

भारत संवाद

सहारनपुर। एससी/एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन (उत्तर प्रदेश) की सहारनपुर इकाई ने सोमवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर वर्षों से लंबित पड़े प्रशिक्षण नियोजन की प्रक्रिया को दोबारा शुरू करने की मांग की। संगठन ने दावा किया कि 2007 और 2009 में प्रशिक्षण ले चुके सैकड़ों अभ्यर्थी आज भी नियुक्ति से वंचित हैं, जिससे वे मानसिक, आर्थिक और सामाजिक संकट से गुजर रहे हैं।

जिलाध्यक्ष कारी मुनव्वर ने बताया कि 2007 व 2009 में प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को बेसिक शिक्षा विभाग में समायोजन की उम्मीद थी, लेकिन तत्कालीन सरकार द्वारा प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई। इसके बाद नियोजन की प्रक्रिया दोबारा शुरू नहीं की गई, जबकि उसके बाद के बैचों को मौका मिला। इससे पहले से प्रशिक्षित अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हुआ है।

संगठन का कहना है कि इस मुद्दे को लेकर तीन बार विधानसभा में प्रश्न भी उठ चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। ज्ञापन में मांग की गई है कि सरकार एक बार फिर से प्रशिक्षण नियोजन की प्रक्रिया शुरू करे और पुराने प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को मौका दिया जाए।

संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती, तो आंदोलन किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर प्रशिक्षु शिक्षक राजधानी लखनऊ में धरना प्रदर्शन भी कर सकते हैं।ज्ञापन देने वालों में कारी मुनव्वर, प्रेमलता नगरी, भावना सिंह, पूनम सिंह नागर, जसवीर, संजय कुमार, सुशील कुमार, वीरेन्द्र सिंह, वी.पी. मीना, धर्मेंद्र, कंचन सिंह, रेखा सिंह, नगीना बानो, अरुणा, पायल सिंह, गार्गी कुमार, अंकु श्रीवास्तव, रजनी, सीमा हलवासिया, विनोद कुमार, सीमा कुमारी, सोनी कुमार, आराधना त्रिपाठी, मोनिका नागर, मंजू देवी, वीरपाल सिंह, शशिप्रभा, नरेंद्र कुमार, विजयलक्ष्मी, पंकज सिंह, रजनीकांत, कृष्णा कुमार, मुशीर कुमार, जितेंद्र कुमार, वजीर कुमार, गुलशन कुमार और मुकेश कुमार आदि शामिल रहे।

दुष्कर्म के मामले में वांछित धरा

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना फतेहपुर पुलिस ने दुष्कर्म में मामले में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार गत 8 जून को वादिया की लिखित तहरीर बाबत अभियुक्त ऋतिक सैनी पुत्र मुकेश निवासी ग्राम टाण्डा मिश्री थाना बिहारीगढ जिला सहारनपुर द्वारा वादिया को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में थाना फतेहपुर पर मु0अ0स0 116/25 धारा 69 बीएनएस पंजीकृत किया गया ।एसएसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध नियंत्रण, महिलाओं के विरुद्ध होने वाली आपराधिक घटनाओं की रोकथाम व इन घटनाओं में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं सहायक पुलिस सैनी पुत्र मुकेश सैनी निवासी ग्राम टाण्डा मिश्री थाना बिहारीगढ जनपद सहारनपुर को बड़कला फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया गया।

फास्ट ट्रैक

स्मैक सहित एक नशा तस्कर गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना बेहट पुलिस ने एक शातिर नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 11.25 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है। एसएसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध नियंत्रण, मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम व इस कारोबार में संलिप्त शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एंव क्षेत्राधिकारी बेहट के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक श्री सूबे सिंह के कुशल नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर थाना बेहट पुलिस टीम द्वारा 01 नशा तस्कर अभियुक्त अमजद पुत्र जहीर निवासी ग्राम खिडका भटकव्वा थाना बेहट जनपद सहारनपुर को ग्राम बेलका के पास से गिरफ्तार किया गया ।जिसके कब्जे से 11.25 ग्राम नाजायज स्मैक बरामद हुई। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना बेहट पर मु0अ0सं0- 291/25 धारा-8/21 एनडीपीएस पंजीकृत किया गया।

युवा रचनाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान में प्रविष्टियां आमंत्रित

सहारनपुर। 18 से 30 वर्ष के युवा रचनाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान ने कहानी, कविता एवं निबन्ध प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 07 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार 05 हजार रुपए, तृतीय पुरस्कार 04 हजार रुपए तथा दो प्रतियोगियों को सांत्वना पुरस्कार में रूप में 02 हजार की धनराशि प्रदान की जाएगी। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ के निदेशक श्री जितेन्द्र कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि कहानी, कविता एवं निबन्ध तीन प्रतियों में कम्प्यूटर टाइप ए-4 आकार में भेजनी होगी। कहानी अधिकतम 2500 शब्द व कविता अधिकतम 500 शब्द (एक ओर टंकित) हों। निबन्ध ह्यभारतीय संस्कृति और कुम्भह्य विषय पर केन्द्रित होगा, जो अधिकतम 2500 शब्द का एक ओर टंकित होगा। कहानी एवं कविता भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों पर केन्द्रित होनी चाहिए। कहानी, कविता एवं निबन्ध पर शीर्षक के अतिरिक्त लेखक का नाम व पता अंकित नहीं होना चाहिए। अलग पृष्ठ पर कहानी, कविता, निबन्ध के शीर्षक के साथ प्रतिभागी का नाम, पता व दूरभाष संख्या सहित हाईस्कूल प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। जितेन्द्र कुमार ने बताया कि पूर्व में पुरस्कृत रचनाकार की प्रविष्टि उसी विधा में स्वीकार नहीं की जायेगी। प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 01 सितम्बर 2025 है। प्रविष्टियां निदेशक, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, राजर्षि पुरूषोत्तमदास टण्डन हिन्दी भवन, 6-महात्मा गांधी मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 के पते पर भेजी जायेंगी। प्रविष्टि के लिफाफे पर कहानी, कविता एवं निबन्ध प्रतियोगिता लिखना अनिवार्य है।

राज्य महिला आयोग की सदस्य 9 जुलाई को तहसील सदर सभागार में करेंगी जनसुनवाई

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा आवेदक/आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टि से 09 जुलाई 2025 को तहसील सदर सभागार में आयोग की सदस्या श्रीमती सपना कश्यप द्वारा महिला जनसुनवाई की जाएगी। जनसुनवाई के बाद महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक आवश्यक जागरूकता चैपाल आयोजित की जाएगी।जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय ने अवगत कराया कि जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से सम्बन्धित शिकायतें जो महिलाओं द्वारा की जाती है, जिसके निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों का होना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अनुरोध करते हुए कहा कि अपने-अपने विभाग द्वारा महिलाओं हेतु संचालित योजनाओं की सूचनाओं के साथ समीक्षा बैठक में स्वयं प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

जनहित सुझावों पर हुई चर्चा-शहर में विकास और जनहित समस्याओं के निस्तारण के प्रस्ताव पर सहमति की लगाई मोहर-जीआईएस सर्वे से नागरिकों पर नही पड़ेगा अतिरिक्त भार

महापौर/नगर आयुक्त का वादा-नगर निगम संपत्तियो का बनेगा डिजिटल रजिस्टर-3 साल से अधिक समय से तैनात नगर निगम कार्मिको का बदलेगा पटल

भारत संवाद

अलीगढ़ नगर निगम की कार्यकारिणी बैठक महापौर प्रशांत सिंघल की अध्यक्षता में उप सभापति दिनेश जादौन कार्यकारिणी सदस्य अनिल सेंगर, योगेश सिंघल, असलम नूर, आसिफ,करन माहौर, निरंजन सिंह, मो. हफीज अब्बासी, मो.शाकिर, रीनू सैनी, मो. गुलजार, मुशर्रफ हुसैन महजर की उपस्थिति में कल्याण सिंह हैबिटेट के सभागार में सम्पन्न हुई। कार्यकारिणी बैठक परम्परागत राष्ट्रीय गीत से शुरू हुई तत्पश्चात सचिव सचिवालयध्सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह ने कार्यकारणी सदस्यों के जनहित सुझावों व प्रस्तावो को पढ़ कर सुनाया। कार्यकारणी बैठक में महापौर और नगर आयुक्त की सहमति से सदस्यों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पर चर्चा हुई।

पार्षदों को मिलेंगे सवालो के जवाब

कार्यकारिणी सदस्यों ने पूछे गए प्रश्नों के उत्तर समय से नही पहुँचने के बारे में महापौर व नगर आयुक्त को बताया। नगर आयुक्त ने पार्षदों को आश्वस्त किया भविष्य में बैठक से 2 दिन पहले सभी सवालों के जवाब के पत्र प्राप्त कराये जाएगा। वर्कशॉप से संबंधित उप सभापति के सवाल का समय से जवाब नही देने पर प्रभारी अधिकारी वर्कशॉप को नगर आयुक्त ने कारण बताओ नोटिस देने व भविष्य में पार्षदों के जनहित सवालो के जवाब को भेजने के लिए अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव को नामित किया।

संपत्तियों का डिजिटल रजिस्टर व बदले जायेगे कार्मिक

कार्यकारिणी सदस्यों ने नगर निगम की समस्त संपत्तियों का डिजिटल रजिस्टर बनवाये जाने का प्रस्ताव व नगर निगम के विभिन्न पटलों पर 3 साल से अधिक तैनात लिपिकों/कर्मचारियों का स्थानांतरण करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया। जिस पर महापौर व सदस्यों ने सर्वसम्मति से पास किया। बैठक में नगर आयुक्त ने सदस्यों को आश्वस्त किया अगले 1 हफ्ते में 3 साल से अधिक समय से एक पटल देख रहे कर्मचारियों को बदला जाएगा।

नगर आयुक्त ने कार्यकारिणी बैठक में बताया किनगर आयुक्त ने जी0आई0एस0 सर्वे के सम्बंध में सदन को अवगत कराया कि नागरिक को जी0आई0एस0 सर्वे के उपरान्त कोई भी अतिरिक्त टैक्स नहीं लगाया जायेगा। जी0आई0एस0 सर्वे से संपत्ति कर निर्धारण और संपत्ति कर रोपण की विषम स्थिति का समाधान हो सकेगा, इस सर्वे से नगर निगम के पास संपत्ति करदाता का नाम मोबाइल नंबर ईमेल आईडी, व्हाट्सएप, संपत्ति कर एसेसमेंट सहित अन्य महत्वपूर्ण ब्यौरा नगर निगम में संकलित हो सकेगा, नगर निगम आसानी से प्रॉपर्टी मालिकों की पहचान कर सकेगा, टैक्स जमा करने का मैसेज व्हाट्सएप/एसएमएस के माध्यम से एक क्लिक में जा सकेगा। टैक्स चोरी को रोक सकेगे, क्यूआर कोड के उपयोग से, टैक्स प्रणाली अधिक पारदर्शी होगी और लोगों को टैक्स भरने में आसानी होगी। जीआईएस सर्वे से नगर निगम प्रत्येक प्रॉपर्टी का एक विस्तृत डेटाबेस बना सकेगा और सर्व उपरांत भवनों पर क्यूआर कोड लगाया जाएगा क्यूआर कोड को स्कैन करके, लोग आसानी से अपने घर बैठे प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर सकेंगे।

प्रभु श्री राम मंदिर का 12वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया

भारत संवाद

सहारनपुर। जनक नगर (इन्दिरा बस्ती) स्थित प्रभु श्री राम मंदिर का 12वां वार्षिकोत्सव इस वर्ष भी बड़े धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रभु श्री राम मंदिर सेवा समिति द्वारा आयोजित इस अवसर पर मंदिर प्रांगण को आकर्षक रूप से सजाया गया, और हवन-पूजन व मंत्रोच्चार के साथ शुभारंभ किया गया।वार्षिकोत्सव के तहत भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें राम, लक्ष्मण, जानकी, हनुमान जी, शंकर-पार्वती, राधा-कृष्ण आदि की सुंदर झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं मंगल कलश लेकर सम्मिलित हुईं।कलश यात्रा का नगर में कई स्थानों पर पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया।इस अवसर पर मंदिर स्थल पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम में मंदिर के पुजारी पं. कृष्णकांत शास्त्री, समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संयोजक, कोषाध्यक्ष समेत सभी पदाधिकारी व सम्मानित सदस्यगण उपस्थित रहे। आसपास के क्षेत्रवासियों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की और श्रद्धाभाव के साथ पूजा-अर्चना में शामिल हुए।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान की प्रथम साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई सम्पन्न

भारत संवाद

सुलतानपुर ,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 भारत भूषण व परियोजना निदेशक (डी0आर0डी0ए0) अशोक सिंह की उपस्थिति में विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान की प्रथम साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। उक्त बैठक में सभी मुख्य विभाग जैसे- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास विभाग, पंचायती राज विभाग/ग्राम विकास विभाग, पशुपालन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग (आई0सी0डी0एस0) शिक्षा विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, कृषि एवं सिंचाई विभाग आदि से सम्बन्धित जनपद व ब्लाक स्तर पर माइक्रोप्लान, आशा/एएनएम प्रशिक्षण, शुकर पालकों में अवेयरनेस, मच्छरजनित स्थानों पर छिड़काव आदि के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गयी।मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय द्वारा सभी सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि ब्लाकवार आशा व एएनएम प्रशिक्षण कार्यक्रम कम से कम तीन बार अवश्य कराये जायें, जिससे सभी आशा व एएनएम का प्रशिक्षण हो सके। उन्होंने उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों/मच्छर जनित क्षेत्रों में निरोधात्मक कार्यवाही हेतु पंचायती राज विभाग एवं नगर विकास विभाग को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार पशुपालन विभाग को सभी विकास खंडों में शुकर पालकों का संवेदीकरण सावधानी पूर्वक कराने के निर्देश दिये गये। स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत डब्ल्यूएचओ व यूनिसेफ के प्रतिनिधियों द्वारा सर्वे के दौरान कुछ शौचालयों के बन्द होने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।

मंगलायतन विश्वविद्यालय को मिली एनसीसी की मान्यता

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढे मंगलायतन विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की मान्यता प्रदान की गई है। इसकी स्वीकृति 8 यूपी बटालियन एनसीसी, अलीगढ़ द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासन को औपचारिक रूप से प्रदान की गई। विश्वविद्यालय में प्रथम चरण में बीए, बीएससी, बीकॉम एवं बीटेक जैसे स्नातक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत 50 सीनियर डिवीजन कैडेटों का नामांकन होगा। चयन प्रक्रिया में निर्धारित मापदंडों के अनुसार केवल वही विद्यार्थी नामित किए जाएंगे जो भारतीय नागरिक हैं, जिनकी आयु 26 वर्ष से कम हैं। इसके साथ ही किसी अपराध में दोषी नहीं पाए गए हैं। प्रशिक्षण और समन्वय हेतु 8 यूपी एनसीसी बटालियन से हवलदार मोहम्मद यामिन खान को यहां तैनात किया गया है। वे प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन करेंगे। कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह ने बताया कि यह मान्यता विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए गौरव का विषय है। क्योंकि इससे उन्हें राष्ट्रसेवा, अनुशासन, नेतृत्व एवं शारीरिक दक्षता में प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। कुलपति प्रो. पीके दशोरा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए एनसीसी निदेशालय एवं 8 यूपी बटालियन का आभार प्रकट किया।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत 'वृक्ष बारात जन जागरूकता रैली' का हरी झंडी दिखाकर किया गया शुभारम्भ

वृक्ष बारात के माध्यम से छात्रों ने दिया हरियाली का संदेश।

राजकीय इंटर कॉलेज सुलतानपुर से निकली पर्यावरण जन जागरूकता यात्रा।

भारत संवाद

सुलतानपुर 7 जुलाई /वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज सुलतानपुर से *₹वृक्ष बारात₹* का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने हाथों में पौधे, पोस्टर और बैनर लेकर नगर क्षेत्र में भ्रमण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी कुमार हर्ष द्वारा किया गया।इस अवसर पर प्रभागीय वन अधिकारी अमित सिंह एवं प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार तिवारी उपस्थित रहें। उक्त कार्यक्रम में छात्रों का यह उत्साही समूह ₹पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ₹, ₹हरियाली है जीवन की डोर, एक वृक्षझ सौ सुख जैसे नारों के साथ शहर की सड़कों पर निकला।हाथों में सजे हुए पीले कपड़ों में बंधे पौधे और पर्यावरण चेतना से भरे चेहरों ने सभी राहगीरों का ध्यान आकर्षित किया।वृक्ष बारात का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना और पौधारोपण को एक जन आंदोलन का रूप देना रहा। छात्रों ने सार्वजनिक स्थानों, दुकानों और आम नागरिकों को वृक्षारोपण के लाभ समझाते हुए प्रेरित किया कि वे भी कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं।इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से संकल्प लियाः हम सब एक-एक वृक्ष अवश्य लगाएंगे और अपने परिवार, मित्रों व पड़ोसियों को भी पौधारोपण हेतु प्रेरित करेंगे, ताकि धरती को हरा-भरा और जीवन योग्य बनाए रखा जा सके।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम सैयद मोहम्मद शाहिद हसन के स्थान पर सैयद शाहिद हसन पुत्र सैयद मकसूद हसन निवासी 129/10अ न्यू चकिया, पोस्ट- जी.टी.बी. नगर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), पिनकोड-211016 रख लिया है। अब मुझे सैयद शाहिद हसन के नाम से जाना व पहचाना जाए।

सैयद शाहिद हसन पुत्र सैयद मकसूद हसन निवासी 129/10A न्यू चकिया, पोस्ट-जी.टी.बी. नगर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), पिनकोड-211016

राज्य में वायुयानों के मेंटीनेन्स, रिपेयर एवं ओवरहॉल सुविधाओं के लिए हुआ नीति का निर्धारण

भारत संवाद

सहारनपुर। शासन के निदेशों के अनुपालन में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि नागर विमानन क्षेत्र में हो रहे निरन्तर विकास के दृष्टिगत प्रदेश में वायुयानों की स्थापना किये जाने के संबंध में शासन स्तर पर पूंजी निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु नीति बनायी गयी है। इसके तहत निवेशकों को सब्सिडी के द्वारा लाभ प्रदान किया जायेगा। मनीष बंसल ने बताया कि शर्तों के अधीन राज्य में एम0आर0ओ0 की स्थापना के लिए किए जाने वाले 500 करोड़ रुपए तक के कैपिटल इनवेस्टमेंट पर 05 प्रतिशत सब्सिडी, 500 से 1000 करोड़ के कैपिटल इनवेस्टमेंट पर 08 प्रतिशत तथा 1000 करोड़ से ऊपर के कैपिटल इनवेस्टमेंट पर 12 प्रतिशत सब्सिडी दी जायेगी। सब्सिडी का भुगतान वाणिज्यिक सेवा प्रारम्भ होने के वित्तीय वर्ष के पश्चात अगले वित्तीय वर्ष से प्रारम्भ होकर अगले 05 वित्तीय वर्षों में समान किश्तों में किया जायेगा।

एक लाख का ईनामी बदमाश पुलिस गिरफ्त में, असलाह बरामद

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना गागलहेडी एवं सर्विलांस की संयुक्त कार्यवाही में पुलिस मुठभेड़, हत्या के मुकदमे में वांछित एक लाख के ईनामी शातिर बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक पिस्टल, कारतूस व मोटर साइकिल बरामद की है। एसएसपी के निर्देशन में चोरी,लूट, हत्या,नकबजनी,डकैती आदि आपराधिक घटनाओं की रोकथाम व इन आपराधिक घटनाओं में संलिप्त शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा लगातार सघन चैकिंग,गश्त की जा रही है।इसी क्रम में 6-7 जुलाई की रात्रि को मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी गागलहेड़ी एवं सर्विलांस टीम कोलकी टोल प्लाजा हाईवे पुल के पास संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की चैकिंग कर रहे थे, तभी यमुनानगर हरियाणा की तरफ से एक बिना नम्बर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार 03 संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिये, मोटरसाइकिल सवार संदिग्ध बदमाश पुलिस को चैकिंग करते देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग करके वापस खजुरी अकबपुर रोड़ की तरफ भागने लगे। जिस पर पुलिस टीम द्वारा बदमाशो का पीछा किया गया तो कुछ दुरी पर जाकर बदमाशों की मोटरसाइकिल फिसल कर गर गयी तथा बदमाशो द्वारा पुनः पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और जंगल की तरफ भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम द्वारा की गयी आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के दोनों पैरो में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया तथा घायल बदमाश के दोनो अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की तरफ भाग गये।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या- 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025-567 दिनांक 04.07.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विधुत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं0 - 230-क0वि0-कार्य ठेका- 958-2025

कार्य का विवरण- आईसीडी यार्ड दादरी, प्रयागराज डिवीजन, एन. सी. रेलवे में सहायक ट्रांसफार्मर का संवर्द्धन. विद्युतीकृत साइडिंग का निराकरण और 25 केवी ओएचई का संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागत- रू 26,04,305.32	बिड सुरक्षा राशि- रू. 52,100.00
कार्य अवधि- 06 महीना	बेली प्रणाली- एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय- 25.07.2025, 14.30 बजे	
निविदा खुलने की तिथि तथा समय- 25.07.2025, 15.30 बजे	

नोटः- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई. बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1170/25 (D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं0.05324012522 मो0-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

घर का वास्तु दोष दूर करने के लिए मंगलवार और शनिवार को बनाएं स्वास्तिक, घर आएगी शुभता

मंगलवार और शनिवार के दिन घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनती है, तो इससे भविष्य में शुभता मिलने के योग बढ़ते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्वास्तिक चिह्न कहां और किस दिन बनाना चाहिए, जिससे कि वास्तु दोषों से मुक्ति मिल सके।

भारतीय संस्कृति और धर्म में स्वास्तिक को बेहद शुभ और पवित्र चिन्ह माना जाता है। स्वास्तिक न सिर्फ धार्मिक अनुष्ठानों में प्रयुक्त होता है, बल्कि वास्तु और ज्योतिष शास्त्र में भी इसका विशेष महत्व होता है। स्वास्तिक घर में पॉजिटिव एनर्जी को आकर्षित करता है और निगेटिव एनर्जी दूर करने में सहायक होता है। माना जाता है कि यदि किसी के घर में वास्तु दोष होता है, तो उनको दूर करने के लिए घर पर स्वास्तिक चिह्न जरूर बनाना चाहिए। मंगलवार और शनिवार के दिन घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनती है, तो इससे भविष्य में शुभता मिलने के योग बढ़ते हैं।

घर में बनाया गया स्वास्तिक चिह्न घर की आर्थिक स्थिति को सुधारने के साथ घर के सदस्यों को मानसिक शांति और सफलता प्रदान करता है। घर में बड़े से बड़ा वास्तु दोष क्यों न हो, आप स्वास्तिक उपाय से इसको दूर कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्वास्तिक चिह्न कहां और किस दिन बनाना चाहिए, जिससे कि वास्तु दोषों से मुक्ति मिल सके।

इन दो दिन बनाएं स्वास्तिक चिन्ह

घर के किसी भी स्थान के वास्तु दोष को दूर करने के लिए आप सप्ताह के दो दिनों में स्वास्तिक जरूर बनाना चाहिए। मंगलवार और शनिवार को स्वास्तिक बनाने का विशेष महत्व माना जाता है। इन दोनों दिन स्वास्तिक बनाने का विशेष कारण यह होता है कि इन दोनों दिनों का संबंध मंगल और शनि ग्रह से होता है। मंगल ग्रह ऊर्जा, साहस और शक्ति का प्रतीक होता है, तो वहीं शनि ग्रह कर्म और न्याय का प्रतीक होता है। अगर किसी व्यक्ति के जीवन में वास्तु दोष के कारण परेशानियां आती हैं, तो यह उपाय काफी प्रभावी साबित हो सकता है।

ऐसे बनाएं स्वास्तिक

स्वास्तिक बनाने से पहले घर के मुख्य द्वार को अच्छे से साफ कर लें। फिर मुख्य द्वार पर हल्दी, कुमकुम, रोली या चंदन का स्वास्तिक बनाएं। इससे घर की पवित्रता और सकारात्मकता बढ़ती है। इस चिन्ह को बनाते समय ऊँ नमः शिवाय और ऊँ श्री गणेशाय नमः मंत्र का जाप करें। इससे शुभता और आध्यात्मिकता बढ़ती है।

स्वास्तिक के चारों ओर शुभ-लाभ लिखना काफी शुभ माना जाता है। यह सुख-समृद्धि को आकर्षित करता है। वहीं इसके चारों कोनों पर चावल और फूल अर्पित करने से वातावरण में पॉजिटिविटी बनी रहती है। हर मंगलवार और शनिवार को नियमित रूप से स्वास्तिक बनाना शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है।

स्वास्तिक बनाने से मिलने वाले लाभ

अगर घर में किसी तरह की निगेटिव एनर्जी प्रभावी होती हैं, तो स्वास्तिक उसकी एनर्जी को खत्म कर देता है और पॉजिटिव एनर्जी का संचार करता है।

घर में स्वास्तिक का चिन्ह बनाने से धन का प्रवाह अच्छा बना रहता है और जातक अपने व्यापार और नौकरी में भी उन्नति करता है। यह उपाय धन हानि को रोकने में भी सहायक है।

इस उपाय को करने से मानसिक तनाव दूर होता है और घर के सदस्यों में प्रेम और सौहार्द बना रहता है। घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है।

अगर किसी जातक की कुंडली में मंगल या शनि दोष होता है, तो यह उपाय इसको शांत करने में सहायता करता है।

बता दें कि स्वास्तिक सिर्फ एक धार्मिक चिन्ह नहीं बल्कि शक्तिशाली ऊर्जा का भी स्त्रोत होता है। जोकि घर में पॉजिटिविटी बनाए रखने में मदद करता है और घर के वास्तु दोषों को भी दूर करता है।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां, वरना नौकरी में आ सकती हैं बाधाएं

बहुत सारे लोग होते हैं, जो ऑफिस डेस्क पर फूल रखना पसंद करते हैं। ऑफिस डेस्क पर फूल रखना अच्छा माना जाता है। फूलों की सुगंध और सुंदरता के प्रभाव से आसपास का वातावरण अच्छा बना रहता है, तो वहीं दूसरी ओर फूलों से जुड़े वास्तु आपकी तरक्की के मार्ग भी खोलते हैं।

वास्तु शास्त्र में ऑफिस डेस्क को काफी महत्वपूर्ण माना गया है। आपकी नौकरी एवं उससे जुड़ी सफलता पर भी ऑफिस डेस्क का प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस डेस्क से संबंधित नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। ऐसे में बहुत सारे लोग होते हैं, जो ऑफिस डेस्क पर फूल रखना पसंद करते हैं। ऑफिस डेस्क पर फूल रखना अच्छा माना जाता है। फूलों की सुगंध और सुंदरता के प्रभाव से आसपास का वातावरण अच्छा बना रहता है, तो वहीं दूसरी ओर फूलों से जुड़े वास्तु आपकी तरक्की के मार्ग भी खोलते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ऑफिस डेस्क पर फूलों को रखने के समय किन गलतियों को करने से बचना चाहिए।

ऑफिस डेस्क पर ऐसे न रखें फूल

ऑफिस डेस्क पर फूल रखने के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि फूलों का मुख हमेशा आपकी तरफ हो। यानी की फूल आपकी ओर झुके हों, न कि किसी अन्य दिशा की तरफ। अगर फूल किसी और दिशा की ओर झुके होंगे, तो सकारात्मकता दूसरी ओर चली जाएगी और निगेटिव एनर्जी का संचार आपकी ओर बढ़ेगा।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय ध्यान रखें कि यह मुरझाए हुए न हों। अगर आप ऑफिस डेस्क पर फूल रखते हैं, तो इनको मुरझाने से पहले बदल दें। वरना इससे नकारात्मकता बढ़ती है। वहीं वास्तु शास्त्र के मुताबिक सफलता पाने में भी दिक्कतें आनी शुरू हो जाती हैं।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखने के दौरान ध्यान रखें कि यह कांटेदार न हों। क्योंकि कांटेदार फूल का डेस्क पर होना नौकरी के मामलों में बार-बार संकट आने को दर्शाता है। अगर आप गुलाब के फूल डेस्क पर रखते हैं, तो इसके कांटे हटाकर रखें।

ऑफिस डेस्क पर प्लास्टिक के फूल नहीं रखने चाहिए। क्योंकि वास्तु शास्त्र में प्लास्टिक के फूलों को अशुद्ध बताया गया है। इसलिए प्लास्टिक के फूलों को ऑफिस डेस्क पर रखने से राहु का दुष्प्रभाव पड़ता है और नौकरी में बार-बार बाधाएं आती हैं।

पूजा के दौरान दीपक जलाते समय भूलकर न करें ये गलतियां, वरना नहीं मिलेगा पूर्ण फल

अगर आप कुछ नियमों का ध्यान रखते हुए रोजाना घर में भगवान की पूजा के दौरान दीपक जलाते हैं, तो इससे सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है। ऐसे में आज हम आपको पूजा के समय दीपक जलाने के कुछ जरूरी नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं।

हिंदू धर्म में सुबह और शाम के समय पूजा के दौरान दीपक जलाने का खास महत्व होता है। ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है और पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है। हालांकि ज्योतिष शास्त्र में पूजा घर में दीपक जलाने के कुछ खास नियमों के बारे में बताया गया है। जिनका हर किसी को ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि सही तरीके से दीपक न जलाने से पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है और घर में समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में अगर आप इन नियमों का ध्यान रखते हुए रोजाना घर में भगवान की पूजा के दौरान दीपक जलाते हैं, तो इससे सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पूजा के समय दीपक जलाने के कुछ जरूरी नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं।

दीपक जलाने के दौरान न करें ये काम

घर या मंदिर में भगवान की पूजा के दौरान दीया जलाने के लिए भूलकर भी दूसरे दीपक का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। कई बार हम तुलसी के पास दीपक जलाने के लिए मंदिर वाले दीपक से दीया जला लेते हैं। लेकिन ऐसा करना अच्छा नहीं माना जाता है। अगर आप भी यह गलती करते हैं, तो इससे पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।

दीपक जलाने के बाद नहीं करनी चाहिए ये गलती

पूजा के समय दीपक जलाने के बाद अगर आप धूपबत्ती या अगरबत्ती को दीपक की अग्नि से जलाते हैं, तो ऐसा नहीं करना चाहिए। क्योंकि दीपक से धूपबत्ती या अगरबत्ती जलाने से दीपक की अग्नि बुझ सकती है। इसलिए धूपबत्ती जलाने के लिए हमेशा माचिस का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे अशुभ फल की प्राप्ति होती है और व्यक्ति को आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ सकता है।

भूलकर भी न करें ये गलतियां

अगर आप भी रोजाना शाम के समय मुख्य द्वार पर दीपक जलाते हैं, तो कुछ खास नियमों का ध्यान रखना जरूरी है। लेकिन जरूरी है कि घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाकर इस तरह से रखना चाहिए कि इसका मुख सामने की ओर है। इस तरह दीपक जलाना शुभ माना जाता है। वहीं दीपक जलाने के दौरान ध्यान रखें कि कभी सम संख्या में दीपक न जलाएं। बल्कि आप 3, 5, 7, 9 और 11 दीप जला सकते हैं।

इस तेल का जलाएं दीपक

घर के मंदिर में श्रीहरि और मां लक्ष्मी की पूजा के समय सही तेल से दीपक जलाना जरूरी होता है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के सामने शुद्ध देसी घी का दीपक जलाना चाहिए। इससे जातक को विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में धन-दौलत की कमी नहीं होती है। लेकिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के सामने तेल का दीपक नहीं जलाना चाहिए। ऐसा करने से आपकी पूजा अधूरी रह सकती है।

दीपक की बाती

पूजा के समय दीपक जलाने के दौरान तेल और बाती का हमेशा ख्याल रखना चाहिए। दीपक की बाती के प्रयोग के कुछ खास नियम होते हैं। जिनका ध्यान रखना चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि मां लक्ष्मी और मां दुर्गा की पूजा के समय लाल रंग की बाती का इस्तेमाल करना चाहिए। मां दुर्गा और मां लक्ष्मी की पूजा के दौरान सफेद रंग की बाती का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इससे व्यक्ति को अशुभ फल की प्राप्ति होती है। क्योंकि सफेद रंग की बाती पितरों के सामने जलानी चाहिए।

विष्णु पूजा में दीपक

गुरुवार का दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित माना जाता है। विष्णु भगवान की पूजा के समय दीपक जलाते समय इस बात का ख्याल रखें कि दीपक की बाती पीले रंग की हो। गुरुवार को पीले रंग के इस्तेमाल का विशेष महत्व होता है। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

शनिदेव की पूजा में दीपक

शनिवार का दिन शनिदेव को समर्पित होता है। ऐसे में शनिवार को शनिदेव की पूजा करने और सरसों का तेल अर्पित करने का खास महत्व होता है। लेकिन शनिदेव के सामने दीपक जलाने के दौरान सही तेल और बाती का इस्तेमाल करना जरूरी होता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक शनिदेव के सामने नीले या काली बत्ती का इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं दीपक सरसों या तिल के तिल में जलाना चाहिए। ऐसा करने से शनिदेन प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति के जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है। शनिदेव के सामने घी का दीपक कभी नहीं जलाना चाहिए।

सावन में भगवान शिव को चढ़ाएं ये एक खास फूल, बदल सकती है किस्मत

सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति के लिए बेहद खास माना जाता है। इस पावन महीने में शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र चढ़ाने की परंपरा तो है ही, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिर्फ एक फूल चढ़ाकर भी आप भोलेनाथ को प्रसन्न कर सकते हैं? शास्त्रों के अनुसार, यह फूल आपके जीवन की समस्याएं दूर कर सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि वह कौन सा फूल है और उसे कैसे चढ़ाना चाहिए।

सावन 2025 में कब से कब तक रहेगा?

पंचांग के अनुसार साल 2025 में सावन का महीना 11 जुलाई 2025 से शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक रहेगा। इस बार सावन में 4 सोमवार पड़ेंगे। भगवान शिव का प्रिय दिन सोमवार होता है और सावन में इनका विशेष महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि इस महीने में भगवान शिव की भक्ति करने से जीवन के सभी दुख-दर्द दूर होते हैं और मनचाही इच्छाएं पूरी होती हैं।

कौन सा है वो खास फूल?

सावन में भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए जिस फूल की बात हो रही है, वह है कनेर का फूल। खासकर पीले रंग का कनेर भगवान शिव को सबसे अधिक प्रिय माना जाता है। मान्यता है कि इस फूल को अर्पित करने से भगवान शिव भक्त की सभी परेशानियों का अंत कर देते हैं। इसके साथ ही जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का आगमन होता है।

कई रंगों का होता है यह फूल

कनेर का फूल न केवल सुंदर होता है बल्कि यह लाल, गुलाबी, पीले और सफेद रंगों में मिलता है। हिंदू धर्म में पूजा-पाठ में इस फूल का विशेष महत्व है। खासतौर पर सावन में शिवलिंग पर कनेर का फूल चढ़ाने से जल्दी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस बात का खास ध्यान रखें कि फूल चढ़ाते समय '? नमः शिवाय' मंत्र का जाप जरूर करें।

ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर मस्क का मजाक उड़ाया

बोले- वे पूरी तरह पटरी से उतर चुके, बेकाबू ट्रेन जैसे हो गए

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर अरबपति कारोबारी इलॉन मस्क का मजाक उड़ाया है। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें दुख हो रहा है कि इलॉन मस्क पूरी तरह पटरी से उतर चुके हैं और पिछले पांच हफ्तों में एक बेकाबू ट्रेन जैसे हो गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ट्रम्प ने कहा कि मस्क अब अमेरिका में तीसरी राजनीतिक पार्टी शुरू करना चाहते हैं, जो इतिहास में कभी सफल नहीं रही है। अरबपति बिजनेसमैन इलॉन मस्क ने शनिवार को अमेरिका में एक नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने का ऐलान किया। उन्होंने इसका नाम अमेरिका पार्टी रखा है। मस्क ने अपनी सोशल पोस्ट में कहा कि आप में से 66% लोग एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और अब यह आपको मिलेगी। जब बात अमेरिका को बर्बाद करने और भ्रष्टाचार की आती है तो अमेरिका में दोनों पार्टी (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट) एक ही जैसी हैं। अब देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी। उन्होंने लिखा- आज अमेरिका पार्टी का गठन किया जा रहा है, ताकि आपको आपकी आजादी वापस मिल सके। इसे लेकर उन्होंने एक्स पर पब्लिक पोल भी किया था। मस्क ने 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक्स पर एक पोल पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पूछा था कि क्या आप दो पार्टी वाले सिस्टम से आजादी चाहते हैं? क्या हमें अमेरिका पार्टी बनानी चाहिए? पोल के नतीजों में 65.4% लोगों ने हां और 34.6% ने नहीं में वोट दिया। अमेरिकी संविधान के अनुसार अमेरिका में जन्मा शख्स ही चुनाव लड़ सकता है। मस्क का जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ है। ऐसे में वे अमेरिका में चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। मस्क अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारेंगे। नवंबर, 2026 में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की सभी 435 और सीनेट की 100 में से 34 सीटों पर चुनाव होंगे। मस्क का प्लान हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की 8-10 व सीनेट की 3-4 सीटें जीतना है, जिससे ट्रम्प के बिलों पर रोक लगाकर वे किंगमेकर की भूमिका में आ सकें। मस्क ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प को 2500 करोड़ रु. का चंदा दिया था। लेकिन फिर मस्क डीओजीई संस्था से अलग हुए और अब ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल के विरोध में उतरे हुए हैं। अमेरिका की राजनीति में बीते डेढ़ सौ साल से डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दो ही पार्टियों का दबदबा रहा है। देश में राष्ट्रपति चुनाव से लेकर राज्यों की विधानसभाओं तक इन दोनों दलों का वर्चस्व हैं। इस टू-पार्टी सिस्टम को अमेरिकी लोकतंत्र की स्थिरता की वजह भी माना जाता है। डेमोक्रेटिक पार्टी की शुरूआत 1828 में एंड्रू जैक्सन के दौर में हुई। यह शुरूआत में किसानों और आम जनता की पार्टी मानी जाती थी। 20वीं सदी में यह सामाजिक कल्याण, न्यू डील जैसे आर्थिक सुधारों और नागरिक अधिकारों की पैरोकार बनी। वहीं, रिपब्लिकन पार्टी 1854 में गुलामी के विरोध में बनी और अब्राहम लिंकन इसके पहले राष्ट्रपति बने। 20वीं सदी में यह व्यापार और टैक्स कट के समर्थन वाली पार्टी बन गई। अमेरिका में कई बार तीसरी पार्टियां बनाई गईं, लेकिन सफल नहीं हो सकीं। 1912 में राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट ने बुल मूस पार्टी बनाई और 88 इलेक्टोरल वोट हासिल किए। हालांकि पार्टी अगले चुनाव तक भी नहीं टिक सकी। 1992 में रॉस पेरोट ने 19% पॉपुलर वोट लिए, फिर भी एक भी इलेक्टोरल वोट नहीं मिला। इन दलों को फंडिंग, संगठन और मीडिया में जगह नहीं मिलती। वोटर्स भी उन्हें वोट काटने वाला मानते हैं।

अमेरिका के टेक्सास में बाढ़ से अबतक 82 मौतें

41 लोग लापता, कई इलाकों में फिर से बाढ़ की चेतावनी; ट्रम्प टेक्सास जा सकते हैं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के टेक्सास राज्य में 4 जुलाई को ग्वाडालूप नदी में अचानक आई बाढ़ से 3 दिन में 82 लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लापता हैं। नदी के पास लड़कियों का एक समर कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आ गया। कैंप में मौजूद 27 लड़कियों की भी मौत हो गई, हालांकि 750 लड़कियों को बचा लिया गया। टेक्सास के कई इलाकों में अभी भी हालात सामान्य नहीं हुए हैं। मौसम विभाग ने बाढ़ की चेतावनी जारी करते हुए ग्वाडालूप नदी के किनारे रहने वाले लोगों से ऊंची जगह जाने की अपील की है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को टेक्सास के सैन एंटोनियो से लगभग 15 इंच (38 सेमी) तक बारिश हुई। महज 45 मिनट में नदी का लेवल 26 फीट (8 मीटर) बढ़ गया, जिससे घर और गाड़ियां बह गईं। हेलिकॉप्टर और ड्रोन्स से अभी लोगों की तलाश जारी है। बजे मोदी ने 5 जुलाई को बाढ़ में मारे गए बच्चों की मौत पर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की। रविवार को सेंट पीटर्स स्क्वायर में अपने संबोधन के दौरान पोप लियो ने अमेरिका के टेक्सास में ग्वाडालूप नदी में आई बाढ़ के पीड़ितों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने खासकर समर कैंप में गई लड़कियों के परिवारों के लिए प्रार्थना की। पोप ने अंग्रेजी में कहा, ₹मैं उन सभी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने इस आपदा में अपने प्रियजनों को खोया। हम उनके लिए प्रार्थना करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शुक्रवार को टेक्सास का दौरा कर सकते हैं। ट्रम्प ने कहा- हम वहां लगातार मौजूद रहेंगे। हम टेक्सास के नेताओं के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यह एक भयानक घटना थी। हम उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जिन्होंने इतना कुछ सहा है। बारिश की वजह से नदी ने लोकल नाले और जलमार्गों को उफान पर ला दिया था, जिससे सड़कें डूब गई थीं। ट्रेलर और वाहन बह गए। सैन एंटोनियो की इमरजेंसी टीमों ने हेलिकॉप्टर और ड्रोन के जरिए तलाश और बचाव कार्य शुरू किया। इलाके में मौजूद लोगों ने लोकल मीडिया को बताया कि बाढ़ का पानी अचानक आया और उन्हें पेड़ों पर चढ़कर जान बचानी पड़ी।

पाकिस्तान में पालतू शेर के हमले में महिला-बच्चे घायल

पुलिस ने मालिक को गिरफ्तार किया, बिना लाइसेंस के शेर पाल रहा था

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के लाहौर शहर में एक पालतू शेर के मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शेर ने एक महिला और उनके 2 छोटे बच्चों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। यह हमला बुधवार रात को हुआ, जब शेर अपने पिंजरे से निकलकर एक रिहायशी इलाके में पहुंच गया और वहां मौजूद महिला और उसके पांच और सात साल के बच्चों पर झपट पड़ा। इस हमले का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें शेर को एक दीवार फांदकर इलाके में घुसते और लोगों पर हमला करते हुए देखा जा सकता है। इसमें महिला को खुद को संभालते हुए और फिर मदद के लिए भागते हुए देखा जा सकता है, वहीं आसपास के कुछ लोग डर के मारे इधर-उधर भाग रहे हैं। लाहौर पुलिस ने शेर के मालिक पर बिना लाइसेंस शेर रखने और लापरवाही बरतने का केस दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी फैसल कामरान ने बताया कि शेर के हमले में महिला और बच्चों के चेहरों और हाथों पर चोटें आईं। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों के पिता ने बताया कि शेर के मालिक मौके पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने शेर को रोकने की कोई कोशिश नहीं की और बस खड़े होकर सब कुछ देखते रहे। कुछ समय बाद शेर खुद ही अपने मालिक के फार्महाउस लौट गया, जहां से उसे पुलिस और वन्य जीव अधिकारियों ने पकड़कर जू पार्क पहुंचा दिया है। लाहौर में वन्यजीव कानूनों में हाल में ही बदलाव किया गया है, जिसके मुताबिक ऐसे अपराध में दोषी पाए जाने पर 7 साल तक की जेल और 50 लाख पाकिस्तानी रुपए तक का जुमार्ना हो सकता है।

चीन बोला-बीआर आईसीएस टकराव नहीं चाहता, ट्रेड वॉर से सबको नुकसान

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ब्रिक्स देशों पर 10% ज्यादा टैरिफ लगाने की धमकी दी थी

एजेंसी

बीजिंग, चीन ने सोमवार को कहा कि बीआरआईसीएस समूह किसी भी तरह का टकराव नहीं चाहता है। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी के बाद आया। ट्रम्प ने 6 जुलाई को ट्रुथ सोशल पर लिखा कि जो भी देश अमेरिका विरोधी बीआरआईसीएस नीतियों के साथ खुद को जोड़ेंगे, उन पर 10% अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इसमें किसी को भी छूट नहीं मिलेगी। दरअसल, रविवार को ब्राजील में आयोजित बीआरआईसीएस समिट के दौरान सदस्य देशों ने अमेरिका का नाम लिए बिना टैरिफ की आलोचना की थी। इसके साथ ही वर्ल्ड ट्रेड को होने वाले नुकसान पर चिंता जाहिर की थी। समूह ने कहा कि टैरिफ सप्लाई चेन को अस्थिर करेगा। ट्रम्प ने इस बयान को अमेरिका के खिलाफ माना और रविवार को सोशल मीडिया ट्रुथ पर बीआरआईसीएस देशों को आर्थिक परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को ट्रुथ पर कहा था कि वे 12 देशों को टैरिफ और व्यापार समझौतों का पहला पत्र सोमवार को भेजेंगे, जो टैरिफ के प्रभावी होने की समय सीमा से पहले होगा। ट्रम्प ने कहा, ₹मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि दुनिया भर के देशों के साथ अमेरिका के टैरिफ पत्र, सोमवार, 7 जुलाई को दोपहर 12:00 बजे से भेजे जाएंगे।₹ नए टैरिफ 1 अगस्त से प्रभावी होंगे। ट्रम्प ने अप्रैल में सभी व्यापारिक साझेदारों पर भारी टैरिफ की घोषणा की थी, जिसके बाद 90 दिन की छूट दी गई थी। यह छूट 9 जुलाई को खत्म हो रही है। ट्रम्प ने कहा कि अगर नए व्यापार समझौते नहीं हुए, तो पुराने टैरिफ फिर से लागू होंगे। चीनी ने बीआरआईसीएस देशों से ग्लोबल ऑर्डर (वैश्विक शासन) में सुधार के लिए अपील की है। चीनी प्रधानमंत्री ली क्यांग ने रविवार को 17वें बीआरआईसीएस सम्मेलन के दौरान कहा कि ब्रिक्स देशों को एक बेहतर दुनिया के बनाने के लिए वैश्विक शासन में सुधार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन बाकी बीआरआईसीएस देशों के साथ मिलकर एक न्यायपूर्ण, बराबरी वाला, प्रभावी और व्यवस्थित वैश्विक शासन स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ब्राजील में हुए बीआरआईसीएस 2025 शिखर सम्मेलन में 10 सदस्य देशों ने अमेरिका और इजराइल के ईरान की सैन्य और परमाणु सुविधाओं पर किए गए हमलों को गैरकानूनी बताया। बीआरआईसीएस ने अपनी संयुक्त घोषणा में इन हमलों की निंदा की और अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने की मांग की। इसके अलावा, समूह ने गाजा युद्ध और क्षेत्र में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताई, साथ ही जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की भी निंदा की।

बीआरआईसीएस ने आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही और वित्तीय नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

हिमाचल प्रदेश में बारिश ने उग्र रूप में मचाया तांडव

आपदा में अबतक 78 लोगों की मौत, 31 लापता और कई अस्पताल में भर्ती

हिमाचल में मानसून का तांडव उग्र रूप में देखने को मिला है। राज्य का मंठी शहर इस आपदा में सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। हिमाचल प्रदेश की व्यापक तबाही में अब तक 78 लोग मारे गए और कई सारे लोग घायल है। इसके अलावा अभी भी 31 लोगों के लापता होने की खबर है।

एजेंसी

हिमाचल में मानसून का तांडव उग्र रूप में देखने को मिला है। राज्य का मंठी शहर इस आपदा में सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। हिमाचल प्रदेश की व्यापक तबाही में अब तक 78 लोग मारे गए और कई सारे लोग घायल है। इसके अलावा अभी भी 31 लोगों के लापता होने की खबर है। 20 जून से अचानक बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं ने राज्य को तबाह कर दिया है, जिससे घरों, बुनियादी ढांचे और यहां तक कि थुनाग में एक विश्वसनीय स्थानीय बैंक को भी नुकसान पहुंचा है।इस बीच, पड़ोसी राज्य उत्तराखंड हाई अलर्ट पर है, क्योंकि चार जिलों में संभावित भूस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के अनुसार 20 जून को मानसून की शुरूआत के बाद से बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण कम से कम 78 लोगों की मौत हो गई और 31 लोग अभी भी लापता हैं। इनमें से 50 लोगों की मौत भूस्खलन, अचानक बाढ़ और बादल फटने जैसी बारिश से संबंधित घटनाओं में हुई, जबकि 28 अन्य लोगों की जान सड़क दुर्घटनाओं में गई।हिमाचल प्रदेश मानसून के कहर से जूझ रहा है6 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश में 23 अचानक बाढ़, 19 बादल फटने और 16 भूस्खलन की घटनाएं हुईं। 78 मौतों में से 50 की मौत बारिश से संबंधित घटनाओं जैसे डूबने, बिजली का झटका लगने, बिजली गिरने और अचानक बाढ़ के कारण हुई। इसके अलावा, 28 लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) ने पुष्टि की है कि कम से कम 37 लोग अभी भी लापता हैं, जबकि 115 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, ₹पाइपों की व्यवस्था कर दी गई है, लेकिन उन तक पहुंचना मुश्किल है... हमें स्थायी बहाली के लिए बहुत पीछे जाना पड़ा है। बड़ी योजनाओं को बहुत बड़ा झटका लगा है। हमारे ट्रांसफार्मर और मशीनरी बह गए हैं और उन्हें ढूंढना विभाग के लिए बहुत बड़ी चुनौती है और इसे युद्ध स्तर पर करने की कोशिश की जा रही है। मैं लोगों से अपील करना चाहती हूं कि वे विभाग का साथ दें और स्टोरेज या हैंडपंप से पानी का इस्तेमाल करें और इसे उबालकर ही पिएं।

हमलोग तो पीएम बनाना चाहते थे, सीएम ही रह गए नीतीश

अखिलेश बोले- बिहार में करेंगे लालू की मदद

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी फायदे के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम और चेहरे का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाने का कोई इरादा नहीं है।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार कहा कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को पूरा समर्थन देगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार में हम लालू यादव और तेजस्वी यादव के साथ हैं। इसके साथ ही अखिलेश ने नीतीश कुमार और पर तंज भी कसा है। अखिलेश यादव ने कहा कि नीतीश कुमार को चेहरा बनाकर चुनाव लड़ेंगे लेकिन सीएम नहीं बनाएंगे। हम तो नीतीश कुमार को पीएम बनाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी फायदे के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम और चेहरे का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाने का कोई इरादा नहीं है। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा नीतीश कुमार जी के नाम और चेहरे का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन वे उन्हें फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे। हम एक बार उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाना चाहते थे, लेकिन अब देखिए- वह मुख्यमंत्री पद से ही रिटायर हो जाएंगे। भाजपा उन्हें रिटायर होने के लिए मजबूर करेगी।सत्तारूढ़ भाजपा और उसके वैचारिक रुख पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि मैं केवल एक ही बात जानता हूं- सत्य का मार्ग ही धर्म का मार्ग है, वही सच्चा सनातन मार्ग है। जो लोग अन्याय करते हैं, भेदभाव करते हैं और बच्चों का राजनीति के लिए इस्तेमाल करते हैं, वे खुद को सनातनी नहीं कह सकते। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए उन्होंने कहा कि आज की राजनीति में सिर्फ भगवा वस्त्र पहनने से कोई बाबा या योगी नहीं बन जाता। असली पहचान विचार और आचरण से होती है।

प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में शामिल हुए मनीष कश्यप

कश्यप, जिनके यूट्यूब अकाउंट पर लगभग एक करोड़ सब्सक्राइबर हैं, कुछ साल पहले पहली बार सुर्खियों में आए थे, जब उन्हें दक्षिणी राज्य में बिहारी प्रवासियों के साथ दुर्व्यवहार के कथित फर्जी वीडियो पोस्ट करने के लिए तमिलनाडु पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले बिहार के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मनीष कश्यप सोमवार को प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़ दी थी। मनीष कश्यप किशोर की मौजूदगी में अपने समर्थकों के साथ जन सुराज पार्टी में शामिल हुए। कश्यप, जिनके यूट्यूब अकाउंट पर लगभग एक करोड़ सब्सक्राइबर हैं, कुछ साल पहले पहली बार सुर्खियों में आए थे, जब उन्हें दक्षिणी राज्य में बिहारी प्रवासियों के साथ दुर्व्यवहार के कथित फर्जी वीडियो पोस्ट करने के लिए तमिलनाडु पुलिस ने गिरफ्तार किया था।पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले वह भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन टिकट नहीं दिया गया। कश्यप ने जून में एक वीडियो संदेश में भाजपा से अपने इस्तीफे की घोषणा की थी और आरोप लगाया था कि भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनावों तक उनका ह्लइस्तेमालह्व किया और उसके बाद उन्हें मझधार में छोड़ दिया। आपको बता दें कि मनीष कश्यप 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में पश्चिम चंपारण जिले की चनपटिया सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

कई देशों की जेडीपी से बड़ा है भारत का रक्षा बजट...

डीआरडीओ के कार्यक्रम में बोले राजनाथ

रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पहली बार जेईएम पोर्टल से पूंजीगत खरीद की अनुमति दी है, यह एक सराहनीय कदम है। मुझे यह भी बताया गया है कि विभाग रक्षा कर्मियों के लिए व्यापक वेतन प्रणाली और केंद्रीकृत डेटाबेस प्रबंधन पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा क दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की ओर देख रही है।

एजेंसी

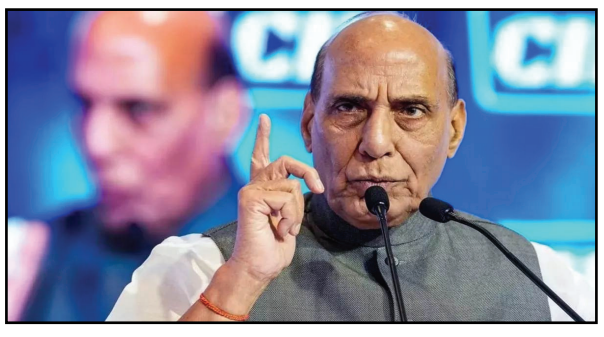

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ द्वारा आयोजित नियंत्रक सम्मेलन को संबोधित कया। इस दौरान राजनाथ ने कहा कि अगर आप हमारे रक्षा बजट को देखें तो यह दुनिया के कुछ देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी बड़ा है। जब लोगों की मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा रक्षा मंत्रालय को आवंटित किया जाता है, तो हमारी जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। हमें प्रभावी विकास की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारा रक्षा व्यय ऐसा होना चाहिए कि न केवल बजट बढ़े, बल्कि हम इसका सही तरीके से उपयोग भी कर सकें - सही समय पर सही उद्देश्य के लिए उचित तैनाती के जरिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पहली बार जेईएम पोर्टल से पूंजीगत खरीद की अनुमति दी है, यह एक सराहनीय कदम है। मुझे यह भी बताया गया है कि विभाग रक्षा कर्मियों के लिए व्यापक वेतन प्रणाली और केंद्रीकृत डेटाबेस प्रबंधन पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा क दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की ओर देख रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सैनिकों ने जो पराक्रम दिखाया है, साथ ही जिस तरह से हमने अपने घरेलू उपकरणों की क्षमता का प्रदर्शन किया है, उससे हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। 2024 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2.7 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है - इतना बड़ा बाजार हमारा इंतजार कर रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि हमारे इस विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों पर हिसाब-किताब रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के सुरक्षा ढांचे का एक अहम हिस्सा है। जब आप अपना काम ईमानदारी और क्षमता के साथ करते हैं, तो उसका असर सीमा पर तैनात जवानों तक होता है। उन्हें भरोसा होता है, कि उनके पीछे एक मजबूत व्यवस्था है, जो हर परिस्थिति में उनका साथ देगी। उन्होंने कहा कि रक्षा लेखा